दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 207/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 26 फरवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित

हर हर महादेव... घर - घर महादेव

dainiksandhyaprakash.in

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु बागेश्वर धाम में

राष्ट्रपति ने जोड़ों को सूट-साड़ियां कीं भेंट, राज्यपाल ने वर-वधू को दी बधाई

छतरपुर। बागेश्वर धाम में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति ने आयोजन को और भी भव्य बना दिया। जैसे ही राष्ट्रपति मंच पर पहुंचीं, पूरे पंडाल में उल्लास की लहर दौड़ गई। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई, जिससे माहौल पूरी तरह देशभक्ति से सराबोर हो गया। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भगवान बालाजी की तस्वीर

भेंट की। यह तस्वीर धार्मिक आस्था और परंपरा का प्रतीक मानी जाती है। राष्ट्रपति ने इसे आशीर्वादस्वरूप स्वीकार किया और आयोजन के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। इस भव्य सामूहिक विवाह में 251 गरीब और अनाथ बेटियों का विवाह संपन्न हो रहा है। विवाह की सभी तैयारियां बागेश्वर धाम द्वारा की गई हैं, और नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थ जीवन के लिए आवश्यक वस्तुएं भी उपहारस्वरूप दी जा रही हैं।

राष्ट्र चेतना के उत्थान में आगे बढ़ें : ऋतंभरा

22 फरवरी से 25 फरवरी तक बागेश्वर धाम में साध्वी ऋतंभरा दीदी मां के मंगल प्रवचन सुनने का लोगों को अवसर मिला। यहां आए लाखों लोगों को दीदी मां ने संदेश दिया कि राष्ट्र चेतना के उत्थान में हम सब अपना योगदान दें। दीदी मां ने कहा कि जब राष्ट्र का उत्थान होगा तभी हिन्दू राष्ट्र बनेगा। बीते दो दिनों से बागेश्वर धाम में देश के प्रख्यात संतों का आगमन जारी है। विगत रोज जगतगुरू स्वामी रामानंदाचार्य महाराज के अलावा अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक चिन्मयानंद बापू जी, राज राजेश्वरानंद महाराज लंदन, डॉ. हनुमान ददरूआ सरकार, इंद्रेश उपाध्याय, राजूदास महाराज हनुमानगढ़ी अयोध्या, गीता मनीषी जी शामिल हैं।

धाम के कार्यक्रमों को देखकर अभिभूत हूं: विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मंगलवार को बागेश्वर धाम पहुंचे। उन्होंने बालाजी के दर्शन करने के बाद बागेश्वर महाराज का आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत पावन और पुनीत अवसर है कि हमें भी यहां आने का सौभाग्य मिला। उन्होंने बताया कि उनके साथ उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, अन्य साथी रामप्रताप सिंह व उनके पुत्र दर्शन करने आए हैं।

महाशिवरात्रि पर मोहन यादव ने किए बाबा महाकाल के दर्शन

उज्जैन। आज महाशिवरात्रि पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने सपरिवार महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन किए और पूजन किया। वे महाकाल के अनन्य भक्त हैं और आज के दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा-अर्चना की। आज शिवरात्रि का पर्व देशभर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।

इस वर्ष महाशिवरात्रि के अवसर पर महाकुंभ का अंतिम शाही स्नान भी आयोजित हो रहा है। इसके लिए प्रयागराज में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। भक्तों का मानना है कि इस पवित्र स्नान से समस्त पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

रात बारह बजे से यहां चार प्रहर की पूजा शुरु होगी

महाशिवरात्रि पर उज्जैन महाकालेश्वर मंदिर के पट 25-26 की दरमियानी रात ढाई बजे खुले और शिवरात्रि पर पूरे दिन और रातभर पट खुले रहेंगे। रात बारह बजे से यहां चार प्रहर की पूजा शुरु होगी जो सुबह तक चलेगी। आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी पत्नी के साथ बाबा महाकाल की पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों के मंगल और कल्याण के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर उज्जैन में श्रद्धालुओं का विशाल जनसैलाब उमड़ रहा है। संभावना है कि महाशिवरात्रि पर दस लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन करेंगे और इसके लिए प्रशासन द्वारा भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में किया भव्य कलश यात्रा का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर उज्जैन में 'विक्रमोत्सव 2025' की भव्य कलश यात्रा का शुभारंभ किया। ये उत्सव 26 फरवरी से 30 मार्च 2025 तक चलेगा जिसमें कई तरह के साहित्यिक, सांस्कृतिक और विज्ञान आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आज कलश यात्रा के शुभारंभ अवसर पर कई गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विक्रमोत्सव महादेव के महोत्सव से जुड़ा एक विशेष आयोजन है जो इस बार सम्राट विक्रमादित्य के युग, भारत के गौरव, नवजागरण और भारतीय विद्या पर केंद्रित रहेगा। इस दौरान कई साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। साथ ही ज्योतिष, विचार गोष्ठियां, इतिहास और विज्ञान से जुड़े आयोजन भी होंगे। साथ ही विक्रम व्यापार मेला भी लगेगा जिसमें लोक और जनजातीय संस्कृति पर आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

सांस्कृतिक समागम महाकुंभ

65 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किया स्नान

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हो रहे दिव्य-भव्य और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ ने बुधवार को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व पर 65 करोड़ का आंकड़ा पार कर इतिहास रच दिया। महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व पर सुबह आठ बजे तक ही लाखों लोगों ने स्नान कर इस महारिकॉर्ड को कायम किया।

यह महाकुंभ श्रद्धालुओं की संख्या के लिहाज से इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। कुंभ ही नहीं, दुनिया के किसी भी आयोजन में आज तक एक साथ इतनी बड़ी संख्या में लोग नहीं जुटे हैं, जितने 45 दिनों के अंदर प्रयागराज में बनाए गए एक अस्थायी शहर में जुट गए।

यह संख्या कई देशों की आबादी से भी कई गुना ज्यादा है। 65 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम की है।

काशी में 10 हजार नागा गदा-तलवार लहराते निकले

बाबा विश्वनाथ का दूल्हे जैसा श्रृंगार, 2 लाख दर्शनार्थियों की लंबी कतार

वाराणसी। हाथ में गदा-त्रिशूल। हाथी-घोड़े की सवारी। शरीर पर भस्म और फूलों की माला। हर-हर महादेव का उद्घोष। काशी में कुछ इस अंदाज में 7 शैव अखाड़ों के करीब 10 हजार से ज्यादा नागा साधु बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं।

नागा साधुओं के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर के रास्ते की बैरिकेडिंग की गई है। लाखों की संख्या में भक्त नागा संतों का आशीर्वाद लेने के लिए रात से ही सड़क किनारे खड़े हुए हैं।

सबसे पहले जूना अखाड़े के नागा संन्यासी मंदिर पहुंचे। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि भी उनके साथ रहे। नागा साधुओं की पेशवाई में गाड़ियां, ढोल-नगाड़े और अस्त्र-शस्त्र के साथ करतब दिखाते हुए साधु शामिल रहे।

आधी रात से ही करीब 2 लाख भक्त 3द्मद्व लंबी कतार में लगे हैं। सुबह से अब तक 2.37 लाख भक्त दर्शन कर चुके हैं। तड़के 2ः15 बजे बाबा विश्वनाथ की मंगला आरती हुई। उनका दूल्हे की तरह श्रृंगार किया गया।

मंगला आरती के दौरान प्रवेश रोकने पर श्रद्धालुओं ने हंगामा कर दिया। उनकी पुलिसकर्मियों से नोकझोंक हो गई। श्रद्धालुओं को समझाकर शांत कराया गया। इसके बाद मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए।

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने भोपाल में शिव आराधना की, बड़वाले महादेव मंदिर की शोभायात्रा में हुए शामिल

भोपाल। महाशिवरात्रि के अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल स्थित बड़वाले महादेव मंदिर पहुंचे। वहां उन्होंने भगवान भोलेनाथ का अभिषेक और पूजन किया। चौहान शोभायात्रा में भी शामिल हुए। मंदिर से चल समारोह के रूप में शोभायात्रा निकाली जा रही है, जिसमें धार्मिक झांकियां भी शामिल हैं। साथ ही, डमरू दल भी प्रस्तुति दे रहा है। शिवराज सिंह चौहान के साथ कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग, सांसद आलोक शर्मा और महापौर मालती राय भी मौजूद रही। पूजन-अभिषेक

के बाद शिवराज सिंह चौहान बोले, ÷अद्भुत हैं भगवान भोले शंकर! दुनिया में जिसे सब ठुकरा दें, उसे भी अपनाते हैं भगवान भोले शंकर। चाहे भूत हो, प्रेत हो, पिशाच हो, देवता हो, मानव हो या साधारण जन–सभी पर उनकी कृपा और आशीर्वाद बरसता है।÷

भोजपुर में 7.5 फीट ऊंचे शिवलिंग को फूलों से सजाया- रायसेन जिले के भोजपुर मंदिर में भी सुबह से भक्तों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। यहां 7.5 फीट ऊंचे शिवलिंग को फूलों से सजाया गया है।

कुबेरेश्वर धाम में भक्तों का महाकुम्भ

7 दिनी रुद्राक्ष महोत्सव शुरू... लाखों भक्त पहुंचे, तीन डोम और 11 टेंट हुए फुल

सीहोर। कुबेरेश्वर धाम में मंगलवार से सात दिवसीय रुद्राक्ष महोत्सव शुरू हो गया। सुबह बाबा की आरती के बाद इसकी शुरुआत हुई। पहले ही दिन लाखों श्रद्धालु पहुंचे। भीड़ इतनी अधिक रही कि तीनों डोम और 11 टेंट भी कम पड़ गए। वहीं श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए रेलवे ने 11 ट्रेनों के अस्थायी ठहराव का फैसला लिया है। सोमवार रात भी लोग ट्रेनों, बसों और निजी वाहनों से यहां पहुंचे। इस बार अंदाज लगाया जा रहा है कि प्रयागराज से लौटते समय कई लोग कुबेरेश्वर धाम से होते हुए जाएंगे।

11 जोड़ी मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों का अस्थायी ठहराव- रुद्राक्ष महोत्सव और महाशिवरात्रि मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सीहोर रेलवे स्टेशन पर 11 जोड़ी मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों का अस्थायी ठहराव किया गया है। उज्जैन से भोपाल के बीच चलने वाली मेला स्पेशल ट्रेन अब सभी स्टेशनों पर रुकेगी।

मणिपुर में 7 जिलों के लोगों ने हथियार सरेंडर किए, 87 तरह के बंदूक और गोला-बारूद पुलिस को सौंपे, मैतेई ग्रुप से मिले राज्यपाल भल्ला

बिश्नुपुर। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद से ही हथियारों का सरेंडर जारी है। बुधवार को पुलिस ने बताया कि 87 तरह के हथियार, गोला-बारूद और अलग-अलग सामान लोग स्वेच्छा से सरेंडर कर रहे हैं। इंफाल ईस्ट, बिश्नुपुर, थौबल, कांगपोकपी, जिरीबाम, चुराचांदपुर और इंफाल वेस्ट जिलों में हथियार सरेंडर किए गए हैं।

इधर, राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने मैतेई सशस्त्र समूह अरामबाई तेंगगोल के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की है। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने

कहा- राज्यपाल ने उन्हें राज्य में शांति और स्थिति को सामान्य करने के लिए मदद को कहा है। हथियारों के सरेंडर को लेकर कुछ शर्तों पर चर्चा हुई है।

मणिपुर में 13 फरवरी को केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति शासन लगाया। यह फैसला मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के 4 दिन बाद लिया गया। सिंह ने 9 फरवरी को गवर्नर को इस्तीफा सौंपा था। राज्य में 21 महीने (3 मई 2023) से जारी जातीय हिंसा के चलते 300 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं।

पठानकोट में बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई

घुसपैठ की साजिश नाकाम, एक पाकिस्तानी घुसपैठिया ढेर

पठानकोट। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को आज एक बड़ी कामयाबी मिली है। बीएसएफ के जवानों ने पठानकोट के अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया है। बताया जा रहा है कि एक शख्स पठानकोट के रास्ते भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान बीएसएफ के जवानों ने उसे चेतावनी दी, लेकिन वह उसे नजरअंदाज करते हुए लगातार आगे बढ़ता रहा।

बिहार कैबिनेट का विस्तार आज, चार भाजपा-दो जदयू विधायक ले सकते हैं शपथ

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बुधवार को शाम चार बजे अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करने जा रहे हैं। इसमें उनकी पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) और सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से नए मंत्री शामिल होंगे। एएनआई के सूत्रों के मुताबिक, कैबिनेट विस्तार शाम चार बजे के आसपास होगा, जिसमें भाजपा के चार और विधायक मंत्री पद संभालेंगे। इसके अलावा नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) के दो विधायकों को भी मंत्री बनाया जाएगा।

दिलीप ने इस्तीफे के बाद पत्रकारों से कहा, %मुझे प्रमुख जिम्मेदारियां देने और मुझ पर भरोसा जताने के लिए मैं पार्टी नेतृत्व का आभारी हूं। मुझे गर्व है कि मैंने एक मंत्री के रूप में 11 करोड़ से अधिक पृष्ठों के दस्तावेजों के रिकॉर्ड का

डिजिटलीकरण जैसा कार्य किया। मैं अब पूरे दिल से पार्टी के संगठन को मजबूत करने के लिए खुद को समर्पित करूंगा।%

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बिहार इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने अपनी पार्टी की %एक नेता, एक पद% की नीति का पालन करते हुए बुधवार की सुबह नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। सूचना और जनसंपर्क विभाग के मुताबिक, दिलीप जायसवाल का इस्तीफा शाम को होने जा रहे मंत्रिपरिषद के विस्तार से पहले आया है। जायसवाल बिहार सरकार में महत्वपूर्ण राजस्व और भूमि सुधार मंत्री थे। राज्य में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने के साथ भाजपा के सत्ता में लौटने के बाद उन्हें पिछले साल जनवरी में मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था।

राजधानी में महाशिवरात्रि की धूम, सुबह से ही मंदिरों में लगी कतारें, धार्मिक आयोजनों के साथ कई जगह चल रहे भंडारे और हवन पूजन

बड़वाले महादेव मंदिर सहित सभी शिवालयों में गूंजे जयकारे

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान शोभायात्रा में हुए शामिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

महाशिवरात्रि के अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल स्थित बड़वाले महादेव मंदिर पहुंचे। वहां उन्होंने भगवान भोलेनाथ का अभिषेक और पूजन किया। चौहान शोभायात्रा में भी शामिल हो रहे हैं। मंदिर से चल समारोह के रूप में शोभायात्रा निकाली जा रही है, जिसमें धार्मिक झांकियां भी शामिल हैं। साथ ही, डमरू दल भी प्रस्तुति दे रहा है। शिवराज सिंह चौहान के साथ कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग, सांसद आलोक शर्मा और महापौर मालती राय भी मौजूद हैं। पूजन-अभिषेक के बाद शिवराज सिंह चौहान बोले, अद्भुत हैं भगवान भोले शंकर! दुनिया में जिसे सब ठुकरा दें, उसे भी अपनाते हैं भगवान भोले शंकर। चाहे भूत हो, प्रेत हो, पिशाच हो, देवता हो, मानव हो या साधारण जन—सभी पर उनकी कृपा और आशीर्वाद बरसता है।

भोजपुर मंदिर: रायसेन जिले के भोजपुर मंदिर में भी सुबह से भक्तों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। यहां 7.5 फुट ऊंचे शिवलिंग को फूलों से सजाया गया है। यहां शिव मंदिर में 26 से 28 फरवरी तक तीन दिवसीय महादेव महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने बताया कि महोत्सव में करीब एक लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। प्रशासन ने इसके लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं। आयोजन स्थल का निरीक्षण कर समीक्षा बैठक की गई है। पहले दिन शिव भाई गुप्ता लोकगान करेंगे, अभिलाष चौबे बधाई लोकनृत्य और हीरामणि वर्मा मटकी लोकनृत्य की प्रस्तुति देंगे। प्रसिद्ध सितार वादक ऋषभ रिखीराम शर्मा भक्ति वादन से माहौल को भक्तिमय बनाएंगे। 27 फरवरी को अंशुल प्रताप सिंह शिव तांडव की अद्भुत प्रस्तुति देंगे। इसके बाद अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें हरिओम पंवार, अनामिका अंबर, विष्णु सक्सेना, बलराम श्रीवास्तव, मेधा, अमन अक्षर और लक्ष्मण नेपाली अपनी कविताओं से समां बांधेंगे। महोत्सव के अंतिम दिन 28 फरवरी को राजकुमार ठाकुर लोकगायन करेंगे, संजय महाजन गणगौर लोकनृत्य और अमित घारू बरेदी-नौरता लोकनृत्य प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर प्रसिद्ध पार्श्व गायिका अरुणीता कुंजीलाल और नचिकेत लेले का सुगम संगीत मुख्य आकर्षण रहेगा।

खेड़ापति हनुमान मंदिर- संत हिरदाराम नगर स्थित संकट मोचन खेड़ापति हनुमान मंदिर में महाशिवरात्रि का उत्सव 21 सालों से मनाया जा रहा है। इस साल 19 से 25 फरवरी तक भागवत कथा का आयोजन किया गया। जिसमें वृंदावन धाम के आचार्य राम मोहन तिवारी ने श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराया। बुधवार की सुबह शिव अभिषेक, हवन और पूजन हुए। दोपहर 1 बजे भव्य शिव बारात निकाली। बारात में उज्जैन की डमरू पार्टी, हाथी-घोड़े और डीजे की धुन पर श्रद्धालु नृत्य करते हुए शामिल हुए। विभिन्न देवी-देवताओं की झांकियां भी इस शोभायात्रा का हिस्सा बनीं। श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया ।

पूजन के साथ विशाल भंडारा संपन्न

भोपाल। पावर प्ले एलईडी प्रोजेक्ट आईटीआई जेल रोड पर महाशिवरात्रि का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया यह जानकारी संस्थापक पुरन चौरसिया एवं मोहित चौरसिया ने मीडिया दी उन्होंने बताया प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी महाशिवरात्रि का पर्व मंदिर में पूजा अर्चना कर भंडारे के साथ में संपन्न हुआ

महाशिवरात्रि पर पार्थिव शिवलिंग का निर्माण

भोपाल। ईडब्ल्यूएस संभाग 5 स्थित शिव मंदिर में में महाशिवरात्रि पर महिलाओं ने पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया। नेहा गुर्जर ने कहा कि महाशिवरात्रि के दिन पार्थिव शिवलिंग का बहुत महत्व है। पार्थिव शिवलिंग यानी मिट्टी से बना हुआ शिवलिंग। इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। ऐसी मान्यता है कि महाशिवरात्रि के दिन पार्थिव शिवलिंग बनाकर विधि-विधान से पूजा करने से व्यक्ति के सभी कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। महाशिवरात्रि के दिन पार्थिव शिवलिंग बनाकर पूजा करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। जो व्यक्ति नियमित रूप से पार्थिव शिवलिंग की पूजा करता है, उसके जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं। पार्थिव शिवलिंग की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है। नेहा गुर्जर ने कहा कि पार्थिव शिवलिंग की पूजा करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। अब ऐसे में इस दिन पार्थिव शिवलिंग बनाने के दौरान किन नियमों का पालन करना महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके बारे में इस लेख में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

मिठी स्कूल में मनाया गया महाशिवरात्रि पर्व, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक विरासत का उत्सव

संत हिरदाराम नगर। मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक विभाग द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भगवान शिव की लीलाओं, आदर्शों और शिक्षाओं से परिचित कराना रहा, ताकि वे आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों की ओर प्रेरित हों। विद्यालय संगीत शिक्षक जय रिझवानी के मार्गदर्शन में कक्षा नवीं के विद्यार्थी प्रियम माखीजानी, कृष्ण कुमार, माधव भार्गव, सिमरजीत सिंह तथा कार्तिक बलवानी ने शिव भक्ति की महिमा से ओतप्रोत 'शिव कैलाशों के वासी' मधुर गीत द्वारा भक्तिमय समा बांधा तथा संगीत विभाग की शिक्षिका योग्यता शर्मा के मार्गदर्शन में कक्षा चौथी के बाल कलाकार अंश चेलानी, मनन मनसुखानी, अंश दीक्षित, रुद्रांश दुबे, विराट कुमार एवं श्रेयांश कावड़कर ने 'लागी मेरी, तेरे संग प्रीत ओ! मेरे शंकरा' गीत पर आधारित नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति देकर शिव के प्रति अपनी आस्था एवं भक्ति समर्पित की। शिव पार्वती के मनमोहक रूपों की झांकी विद्यालय के बाल कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की गई।

बेहटागांव में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का विश्राम, निकलेगी भव्य शिव बारात

संत हिरदाराम नगर। बेहटागांव स्थित संकट मोचन खेड़ापति हनुमान मंदिर में पिछले 21 वर्षों से महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस वर्ष भी श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव एवं भव्य शिव बारात का आयोजन किया गया है। 19 फरवरी से 25 फरवरी तक कथा वाचक आचार्य श्रीराम मोहन तिवारी ने अपनी ओजस्वी वाणी से श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराया। कथा में गोवर्धन पर्वत बनाकर भगवान कृष्ण को छप्पन भोग लगाया गया। कथावाचक आचार्य श्री राम मोहन तिवारी ने भगवान श्री कृष्ण के जीवन पर प्रकाश डाला और उनकी लीलाओं का बखान किया। इस अवसर पर राजेश हिंगोरानी, मोहन लालवानी सहित आयोजन समिति के आजाद सिंह सिसोदिया, गोपाल सिंह मेवाडा, वृंदावन गर्ग, नंदकिशोर बैरागी, गयादास पांडे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। आजाद सिंह सिसोदिया ने बताया कि 26 फरवरी को शिवरात्रि के दिन शिव अभिषेक हवन पूजन आरती की जाएगी। उसके बाद दोपहर 1 बजे मंदिर प्रंगण से विशाल शिव बारात निकाली जाएगी जिसमें उज्जैन की डमरू पार्टी और हाथी घोड़े डीजे ढोल की थाप पर श्रद्धालु नाचते गाते हुए चलेंगे। शिव बारात में विभिन्न देवी देवताओं की झांकियां चलेगी और जगह-जगह पर शिव बारात का सामाजिक संस्थाओं द्वारा स्वागत किया जाएगा। संत नगर की परिक्रमा के बाद वापस मंदिर में शिव बारत का समापन के बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

ड्राइवर जन जागरूकता के लिए किया आयोजन

भोपाल। आल ड्राइवर कल्याण संघ भारत द्वारा ड्राइवर जन जागरूकता का आयोजन किया गया! जिसकी अध्यक्षता भोपाल जिला अध्यक्ष अखिलेश पुरी गोस्वामी द्वारा की गई मुख्यअतिथि राष्ट्रीयअध्यक्ष सुरिंदर प्रसाद जी एवं राष्ट्रीय महासचिव प्रकाश कुमार सिंह मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश परिहार,झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अवतार सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी कैलाश वल्हे एवं वरिष्ठ सीनियर वकील कैलाश भारती राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष सोहनलाल मीना तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष जी स्वामी उत्तर प्रदेश से जिला अध्यक्ष जरीन खान और अन्य प्रदेशों से और जिले से पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ता पहुंचे! जिला कमेटी के सलाहकार शेख शफीक,भोपाल जिला उपाध्यक्ष पन्नालाल कोरी, जिला महासचिव सुभाष वाकोडे, जिला सचिव जीतेन्द्र मीणा, जिला कोषाध्यक्ष दीपक कुमार साहू, जिला प्रवक्ता चंदन सिंह मेहरा, जिला मीडिया प्रभारी राहुल पाटीदार एवं शाहिद खान, कानूनी सलाहकार कमलेश श्रीवास्तव,अमित गुप्ता एवं भोपाल से अन्य कार्यकर्त्ता उपिस्तिथ हुए! सभा में अतिथियों एवं प्रदेशअध्यक्षों एवं जिलाअध्यक्षों द्वारा ड्राइवर आयोग घोषित करने एवं कैलेंडर में 1 सितंबर ड्राइवर दिवस घोषणा करने की अपील की गई भोपाल में टीम का गठन किया गया है भोपाल जिला जिला अध्यक्ष बनाया गया अखिलेश पुरी गोस्वामी जी को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं सभी पूरी भोपाल टीम को भोपाल जिले से बैरसिया तहसील से तहसील अध्यक्ष समीम खान ब्लॉक अध्यक्ष मनोहर पाल और सभी का स्वागत करते हुए भोपाल जिला अध्यक्ष ने सबका शुक्रिया अदा किया मीडिया को भी बहुत-बहुत धन्यवाद दिया।

महाशिवरात्रि पर्व - अंदर की ओर मुड़ना ही मनुष्यों के कल्याण और मुक्ति का इकलौता साधन है : योग गुरु महेश अग्रवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

महाशिवरात्रि के अवसर पर आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र के योग गुरु महेश अग्रवाल ने कहा कि महाशिवरात्रि पर्व मानवता की रक्षा की प्रार्थना करने का दिन है, जब बड़े लोग लड़ते हैं तो छोटे या तो सहम जाते हैं, दर्शक बन जाते हैं या भाग जाते हैं। युद्ध तो होता ही विनाशकारी है। श्रीकृष्ण ने कहा भी था- यह अंतिम विकल्प होना चाहिए। आज दुनिया फिर युद्ध और विनाश के मुहाने खड़ी दिख रही है। शंकरजी कल्याण के देवता है। एक बार ब्रह्मा ने विष्णुजी पर पद प्रहार किया था। दोनों के बीच इतना भीषण युद्ध हुआ कि पूरा ब्रह्मांड हिल गया। तब अग्नि स्तंभ बनकर शिव बीच में आए और दोनों को रोका। शिवरात्रि आ रही है और पूरा देश उत्सव के मूड में है। शिव पुराण की यह कहानी इस बार हमारी प्रेरणा होना चाहिए। उपवास करें, मंदिर जाएं, भजन गाएं, लेकिन भगवान शंकर से विनती करें कि महाशक्तियां टकराएं नहीं, बल्कि एक होकर विश्व की सर्वशक्ति बनें। अभी आसमानी मार से दुनिया निपटी नहीं है कि यह सुल्तानी प्रहार हमें फिर बुरी तरह थका देगा। तो शिवरात्रि की तैयारी के बीच अपनी प्रार्थना में परमशक्ति से निवेदन करें कि लड़ने वालों को शांति की प्रेरणा दें, पूरी मानवता की रक्षा करें। योगी ने व्यक्तिगत रूपांतरण के साधन दिए क्योंकि यही संसार के रूपांतरण का एकमात्र उपाय है। उनका बुनियादी संदेश है, अंदर की ओर मुड़ना ही मनुष्यों के कल्याण और मुक्ति का इकलौता साधन है। अब समय आ गया है कि हम मनुष्य के कल्याण के लिए चेतना संबंधी तकनीकों के साथ काम करें। तनाव प्रबंधन भगवान शंकर से सीखें।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज ने मनाली के लिए रोमांचक पांच दिवसीय भ्रमण का आयोजन किया

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज ने 20 फरवरी से 25 फरवरी तक एक मनोरंजक और साहसिक पांच दिवसीय मनाली भ्रमण का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस यात्रा में कुल 35 छात्राओं ने भाग लिया, जिनके साथ संकाय सदस्यकृडॉ. मीना बारसे, प्रो. मंजू देवनानी, रोहित रैकवाल और जितेंद्र गेहलोत भी शामिल रहे। यह भ्रमण छात्राओं के लिए मनाली के अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य को निहारने, रोमांचक बाहरी गतिविधियों में भाग लेने और वहां की जीवंत स्थानीय संस्कृति का अनुभव करने का सुनहरा अवसर था। बर्फ से ढके पहाड़ों और शांत घाटियों से लेकर व्यस्त बाजारों और रोमांचकारी खेलों जैसे ज़िपलाइनिंग, रिवर राफ्टिंग, पैराग्लाइडिंग और दर्शनीय स्थलों के भ्रमण तक, इस यात्रा में हर पल रोमांच से भरा रहा। यात्रा का समापन एक शानदार बोनफायर के साथ हुआ, जिसने इसे और भी यादगार बना दिया। छात्रों ने प्राचार्या डॉ. डालिमा परवानी के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की, जिन्होंने उन्हें कक्षा शिक्षण से परे जाने और अनुभवात्मक शिक्षा अपनाने का यह अद्भुत अवसर प्रदान किया। यह यात्रा सौहार्द, व्यक्तिगत विकास और शैक्षणिक दिनचर्या से बहुप्रतीक्षित विराम को प्रोत्साहित करने वाली रही, जिससे यह सभी के लिए वास्तव में यादगार अनुभव बन गया।

सफल औद्योगिकीकरण के लिए संतुलित एवं समन्वित श्रम नीति आवश्यक

त्वरित टिप्पणी
जी. के. छिब्बर

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 30.77 लाख करोड़ से भी निवेशकों ने प्रस्ताव दिए है जिससे 21 लाख रोजगार का सृजन होने का अनुमान एम.पी.आई.डी.सी द्वारा आंकड़ों में बताया गया है यदि इसका इसी रूप में निष्पादन हो जाए तो मध्यप्रदेश देश का सबसे अग्रणी बन सकता है परंतु यह कितना संभव है यह शासन की केवल औद्योगिक नीति से ही हो पाना मुश्किल है सरकार अनेकों रियायते और राहत निवेशकों को दे सकती है परंतु उद्योग के साथ श्रम का समन्वय भी आवश्यक है निवेशक श्रम कानूनों का सरलीकरण ओर सरंक्षण भी चाहते है आज के औद्योगिक क्षेत्र में ठेका श्रमिक सविंदा श्रमिक ओर आउट सोर्सिंग का प्रभाव है नियमित कर्मचारी नियमित वेतनमान पर नियोजित नही किए जा रहे न्यूनतम श्रम लागत पर अधिकतम लाभ की प्रवृत्ति बड़ गई है श्रमिकों के सामाजिक सुरक्षा और कल्याण के विधानो से बचने की सोच है इस पर भी गंभीरता से चिन्तन आवश्यक है केंद्र सरकार ने चार नए श्रम कानून 5 वर्ष पूर्व ही बना लिए है परंतु उन्हें लागू करने अभी भी संशय है हालंकि श्रम कानून में राज्यों को भी स्वतंत्रता है जिसके आधार पर राज्य शासन उद्योगों को राहत और रियायत के कानून बना सकता है लेकिन उसमे श्रमिको के हितों की उपेक्षा नहीं की जा सकती है छटनी, कामबंदी और आसान सेवा समाप्ति एवम स्थाई रोजगार श्रमिक क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है

इस पर भी सरकार को गंभीरता से चिंतन करना होगा नियोजन और नियोजक में संतुलन और समन्वय कायम करना होगा श्रमिकों को विधिवत उचित वेतनमान मिले और उद्योगों में अधिकतम गुणवत्ता से उत्पादन हो तभी मध्यप्रदेश आर्थिक रूप से सम्पन्न हो सकेगा।

विक्रमोत्सव 2025 अंतर्गत शुरू हुई कलश यात्रा का शुभारंभ बुधवार सुबह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। इस मौके पर डॉ. प्रशांत पुराणिक, डॉ. रमण सोलंकी, श्रीराम तिवारी (निदेशक -महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ), संजय यादव, संजय अग्रवाल- भाजपा नगर अध्यक्ष सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

दुबई गए राइस मिल संचालक को आयकर ने भेजा समन, सर्वे टीम ने जब्त किए दस्तावेज

भोपाल। आयकर विभाग को भोपाल के एक राइस मिल संचालक और होटल में निवेश करने वाले कारोबारी की तलाश है। यह राइस मिल संचालक और कारोबारी दुबई में है। विभाग के अफसर उसके भोपाल लौटने का इंतजार कर रहे हैं। ताकि उसे 15 से 20 करोड़ रुपए के कर अपवंचन के मामले में आय के स्त्रोत की जानकारी ली जा सके। टैक्स चोरी का सही आंकड़ा तय किया जा सके। राइस मिल संचालक और होटल कारोबारी एक दो दिन में भोपाल लौटने वाला है। राइस मिल के संचालक ताहिर अली की रायसेन रोड पर रायल ग्रेन्स मिल और एयरपोर्ट रोड पर सफायर ग्रुप के नाम से संचालित होटल में हिस्सेदारी है। आयकर विभाग के अफसरों ने 20 फरवरी को इस कारोबारी के यहां सर्वे शुरू किया था। इस सर्वे के दौरान अली के बेटे ने आयकर विभाग के अफसरों से टैक्स चोरी की दायरे में आने वाली रकम को लेकर कहा है कि इसकी जानकारी पिता ही दे सकते हैं जो दुबई में मेले में शामिल होने गए हैं। इसके बाद आयकर अफसरों को अली के दुबई से लौटने का इंतजार है। माना जा रहा है कि अली दुबई में लगे मेले में चावल के बिजनेस से संबंधित कारोबार में शामिल होने गया है। उसके यहां सर्वे की कार्रवाई पूरी हो गई है और आयकर विभाग ने समन जारी कर बयान देने के लिए तलब किया है। आयकर विभाग को आशंका है कि इस कारोबारी के यहां हुए सर्वे के बाद टैक्स चोरी का आंकड़ा 15 से 20 करोड़ के बीच हो सकता है। लेकिन राशि सरेंडर कराने के पहले विभाग अली के बयान लेना चाहता है।

प्रवासी भारतीयों को मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में सहभागिता के लिए किया आमंत्रित

मध्यप्रदेश देश के सबसे तेज़ी से विकसित होने वाले राज्यों में शामिल है : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के प्रवासी भारतीयों का स्वागत करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश तेज गति से आगे बढ़ता हुआ राज्य है। विकास के सभी क्षेत्रों में निवेश की नई संभावनाएँ उभरकर सामने आई हैं। प्रदेश के प्रत्येक भू-भाग में विकास और निवेश संभावनाओं को तलाशने के लिये रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया। भोपाल में हो रही जीआईएस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, का 8वाँ संस्करण है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विकास के विभिन्न क्षेत्रों में नई संभावनाओं से प्रवासी भारतीय परिचित हो रहे हैं। प्रदेश में सभी क्षेत्रों ङ्क आईटी, फार्मा, बॉयोटेक समेत विभिन्न सेक्टर्स में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए 18 नई नीतियाँ लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि अब सेक्टर-वाइज समिट का आयोजन किया जाएगा। इसकी शुरुआत कृषि क्षेत्र से होगी। निवेशकों के लिए सरलीकृत प्रक्रिया और उद्योग-अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के प्रवासी भारतीयों और निवेशकों का स्वागत करते हुए कहा कि सभी क्षेत्र निवेश के लिए खुले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रवासी भारतीयों के प्रति अपने गहरे जुड़ाव को व्यक्त करते हुए कहा कि जब लंदन में मध्यप्रदेश के निवासी मेयर बनते हैं, तो यहाँ भी खुशी से आतिशबाजी की जाती हैं। जब जिम्बाब्वे में मध्यप्रदेश का रहने वाले या यहां की जड़ों से जुड़ा हुआ व्यक्ति मुख्यमंत्री के पद को सुशोभित करते हैं, तो यहाँ भी खुशियाँ मनाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि यह आंतरिक लगाव और मध्यप्रदेश की सामूहिक शक्ति का प्रतीक है, जो दुनिया के किसी भी कोने में अपने लोगों की सफलता पर गर्व महसूस करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रवासी मध्यप्रदेश समिट में मध्यप्रदेश के प्रवासी नागरिकों, फ्रेंड्स ऑफ़ एमपी, इंडिया कनेक्ट के सदस्यों का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में रोजगार के नये अवसरों के सृजन में प्रदेश के प्रवासी भारतीयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने प्रवासी भारतीयों से अपील करते हुए कहा कि वे मध्यप्रदेश में निवेश कर यहाँ के विकास में भागीदार बनें। उन्होंने आश्वस्त किया कि मध्यप्रदेश सरकार निवेशकों को हर संभव सहयोग प्रदान करेगी और प्रदेश को एक वैश्विक निवेश गंतव्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल की भस्म आरती का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि बाबा महाकाल की भस्म आरती में पंचामृत से शरीर को निर्मल किया जाता है इसके बाद विधिवत पूजा कर अंत में भस्म से शरीर को ढंका जाता है। भस्म आरती जीवन को सार्थक करने का लघु सिद्धांत भी सिखाती है। उन्होंने महाकाल की भस्म आरती का महत्व समझाते हुए कहा कि भस्म आरती जन्म से मृत्यु तक के दर्शन का लघु रूप है। यह हर क्षण स्मरण कराती है कि जीवन में सर्वश्रेष्ठ कार्य करते जायें और समय पर हर कार्य पूरा करें। उन्होंने कहा कि उज्जैन आध्यात्मिक नगरी के साथ ही समय (काल) की नगरी भी है। उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए कहा कि यह आध्यात्मिक कुंभ है और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट सांसारिक और आर्थिक महाकुंभ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाकाल भस्म आरती के दुर्लभ दर्शन की वीआर (वर्चुअल रियलिटी) हेडसेट सेवा भी लॉन्च की। (वीआर) वीथि संकुल में उपलब्ध रहेगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समय के सदुपयोग और कर्म पर बल देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने भी गीता में यही उपदेश दिया है कि सभी को अपने कर्मों के माध्यम से समाज के उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो प्रवासी भारतीय सफलता की ऊंचाइयों पर पहुँचे हैं, उन्हें मध्यप्रदेश में निवेश करना चाहिए। इससे वे न केवल प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे, बल्कि हजारों लोगों के जीवन में सुधार लाने का पुण्य भी अर्जित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फ्रेंड्स ऑफ एमपी (यूके चैप्टर) के आबिद फारूकी और टीम के द्वारा मध्यप्रदेश के पर्यटन को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए पर्यटन प्रमोशन फ्रेम का अनावरण किया।

प्रमुख सचिव, प्रवासी भारतीय विभाग श्री संदीप यादव ने कहा कि नीति-निर्माण से विषयों पर केंद्र सरकार निर्णय लेती है, लेकिन मध्यप्रदेश सरकार स्थानीय स्तर की समस्याओं के समाधान के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी। एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक, श्री सुविध शाह ने विदेश व्यापार से जुड़े विभिन्न प्रावधानों और मध्यप्रदेश में व्यापारिक सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी।

गेहूं खरीदी केंद्र में किसानों के लिए सभी सुविधाएं सुनिश्चित करें: खाद्य मंत्री राजपूत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने निर्देश दिये हैं कि रबी विपणन वर्ष 2025-26 के गेहूँ उपार्जन की अवधि के दौरान उपार्जन केन्द्रों पर आने वाले किसानों के लिए सभी पर्याप्त सुविधाएं होनी चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर उपार्जन कार्य से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने यह निर्देश मंत्रालय में रबी उपार्जन नीति की समीक्षा के दौरान दिये।

राजपूत ने कहा कि उपार्जन केन्द्रों पर आने वाले किसानों के लिए छाया की सुविधा के लिए शेड लगवाएं जाएं तथा पीने के पानी, प्रतीक्षा कक्ष, दरियां, टेबल, कुर्सी तथा शौचालय आदि का पर्याप्त प्रबंध करें। उन्होंने निर्देश दिये कि समिति स्तर पर पर्याप्त बिजली की सुविधा, हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन, इलेक्ट्रॉनिक उपार्जन उपकरण तथा किसानों की जानकारी के लिए सूचना पटल पर उपार्जन संबंधी जानकारी प्रदर्शित करें। राजपूत ने निर्देश दिये कि न्यूनतम समर्थन मूल्य के बारे में ज्यादा से ज्यादा जागरूकता लाएं ताकि गेहूँ खरीदी केन्द्रों तक अधिकतम पंजीकृत किसान अपनी फसल लेकर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसानों को गेहूं उपार्जन के बाद जल्द से जल्द भुगतान सुनिश्चित करें। खाद्य मंत्री राजपूत ने बताया कि इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में गेहूँ खरीदी का कार्य 1 मार्च से प्रारंभ किया जाएगा जो 18 अप्रैल तक चलेगा। वहीं शेष संभागों में 17 मार्च से 5 मई 2025 तक गेहूँ खरीदी का कार्य उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से किया जाएगा।

80 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादन का अनुमान

प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने बताया कि अभी तक 2 लाख 91 हजार से अधिक किसानों ने गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन कराया है। उन्होंने बताया कि इस बार मध्यप्रदेश में 80 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादन का अनुमान है। बैठक में आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने बताया कि गेहूँ उपार्जन में स्लाट बुकिंग के लिए लघु और सीमांत किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि खरीदी के लिए किसानों को जागरूक करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म का भी उपयोग किया जाएगा। इस दौरान विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और फैटी लिवर जैसी बीमारियों की हो रही है नि:शुल्क जांच

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश में केंद्र सरकार के मार्गदर्शन और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में 20 फरवरी से 31 मार्च 2025 तक 'निरोगी काया अभियान' संचालित किया जा रहा है। इस महाभियान के तहत प्रदेश में 12 हज़ार से अधिक स्वास्थ्य केंद्रों, जन आरोग्य मंदिरों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिकों में 30 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की मधुमेह (डायबिटीज), रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) और फैटी लिवर जैसी प्रमुख असंक्रामक बीमारियों (एनसीडी) की नि:शुल्क जांच की जा रही है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने आमजनों, जन-प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय प्रशासन से इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपने आसपास के नागरिकों को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए प्रेरित करें, अभियान की मॉनिटरिंग करें और जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचाने में सहायता करें। उन्होंने सभी नागरिकों से अनुरोध किया कि वे अपने नजदीकी जन आरोग्य मंदिर, संजीवनी क्लीनिक या स्वास्थ्य केंद्र पर पहुँचकर अपनी नि:शुल्क जांच अवश्य करवाएँ। स्वास्थ्य केंद्रों की सेवाएँ रविवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन उपलब्ध हैं। अत: सभी नागरिकों से अनुरोध है कि अपना और अपने परिवार का स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य कराएँ और गंभीर बीमारियों से बचाव करें।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को असंक्रामक बीमारियों की रोकथाम और समय पर पहचान के प्रति जागरूक करना है। अक्सर यह देखा गया है कि मधुमेह, उच्च रक्तचाप और फैटी लिवर जैसी बीमारियाँ आरंभिक अवस्था में लक्षणहीन होती हैं, जिससे लोग इन्हें पहचान नहीं पाते और समय पर इलाज नहीं हो पाता। यह समस्या खासकर ग्रामीण और सुदूर इलाकों में अधिक देखने को मिलती है। ऐसे में जब बीमारी बढ़ जाती है, तो मरीजों को गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। इस अभियान के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रदेश के हर व्यक्ति तक आवश्यक स्वास्थ्य जांच और उपचार सेवाएँ पहुंचें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि निरोगी काया अभियान के तहत अब तक 6 लाख लोगों की मधुमेह और रक्तचाप की जांच पूरी की जा चुकी है, जबकि 2 लाख लोगों की फैटी लिवर की जांच हो चुकी है। यह आँकड़े इस अभियान की सफलता को दर्शाते हैं और इस बात को प्रमाणित करते हैं कि नागरिकों में स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता तेजी से बढ़ रही है।

महाशिवरात्रि आध्यात्मिक जागरण और आत्मशुद्धि का महापर्व: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर मध्यप्रदेश के प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए भगवान शिव से सभी के सुख, समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि यह पर्व आत्मचिंतन, भक्ति और आत्मशुद्धि का प्रतीक है, जो हमें जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि शिव आराधना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संयम, समर्पण और आत्म-अनुशासन का संदेश देती है। महाशिवरात्रि की यह रात्रि हमें सिखाती है कि अज्ञान और अंधकार को भगवान शिव की भक्ति और सत्य के मार्ग से दूर किया जा सकता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे इस अवसर पर शिव साधना के साथ समाज कल्याण, सेवा और परोपकार का संकल्प लें।

वीर सावरकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

भोपाल। आज वीर सावरकर बाल उद्यान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीर सावरकर जी की पुण्यतिथि पर प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर गंगाजल वितरण किया

भोपाल। महाकाल सभा गांधीनगर संस्थापक माधव सेन एवं उनकी टीम कुणाल गोस्वामी पवन सिंह राणा निलेश मेहरा अजय सौदे के नेतृत्व में विशाल गंगाजल की वाटल गांधीनगर आसाराम चौराहे पर वितरण की यह जल मांहाकुंभ से लाया गया था और सभी को निशुल्क वितरण किया गया है महाकाल सभा गांधीनगर का लक्ष्य की संपूर्ण भोपाल एवं भोपाल के आसपास क्षेत्र में महाकुंभ का लाया हुआ गंज जल हर घर में पहुंचे बड़ी संख्या में जल लेने वाले एकत्रित हो रहे थे।

नगरों के समग्र विकास के लिये नगरीय निकायों में अपनायी जायेंगी बेस्ट प्रेक्टिस

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास संजय कुमार शुक्ला ने आज भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में नगरीय प्रशासन के विशेष सत्र में कहा कि मध्यप्रदेश में देश की उन सभी बेस्ट प्रेक्टिस को अपनाया जायेगा, जिससे मध्यप्रदेश में नागरिकों को बेहतर से बेहतर सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नगरीय निकायों के आय के स्रोत बढ़ाने के भी प्रयास किये जा रहे हैं। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि नगरीय निकायों में ई-नगरपालिका प्रोजेक्ट को लागू किया जा रहा है। प्रमुख सचिव शुक्ला ने कहा कि नगरीय निकायों के सामने अपशिष्ट प्रबंधन एक चुनौती है। इसके लिये जन-भागीदारी को प्रोत्साहित किया जायेगा। सत्र में 2 विषयों सिटीज ऑफ टुमारो और ग्रीन क्लीन लिवबल सिटी पर विषय-विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किये। सिटीज ऑफ टुमारो विषय पर चेयरमेन सन बिल्डर्स एवं प्रेसीडेंट इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर इण्डिया श्री एन.के. पटेल ने कहा कि शहरों के विस्तार के लिये भूमि को रिजर्व में रखना जरूरी है। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड श्री राहुल देहिया, को-फाउण्डर एमडी सिग्नेचर ग्लोबल ग्रुप श्री रवि अग्रवाल ने कहा कि विकसित भारत के लिये नियोजित टाउनशिप होना जरूरी है। टाउनशिप में सभी वर्गों के लोगों को जगह मिले, यह सुनिश्चित हो और वहाँ सभी आवश्यक सुविधाएँ हों। इस व्यवस्था से शहरी क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट पर दबाव कम होगा। निदेशक कॉमर्शियल रियल एस्टेट हीरानंदानी ग्रुप श्री मनीष गुप्ता ने प्रदेश में हाल ही में जारी इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी का स्वागत किया। डीएलएफ के सीनियर एक्जीक्यूटिव राजीव सिंह ने उत्कृष्ट शहरी नियोजन को महत्वपूर्ण बताया।

क्रेडाई एमपी चेप्टर के अध्यक्ष मनोज सिंह मीक ने राजा भोज द्वारा बसाये गये भोपाल और यहाँ के बड़े तालाब की विशेषताओं की जानकारी दी। वर्ल्ड बैंक के कंट्री हेड अगस्तो तानो कामो ने आने वाले समय में शहरों के नागरिकों को बुनियादी सुविधा देने के काम को चुनौतीपूर्ण माना। उन्होंने कहा कि इसके लिये अभी से ही सभी एजेंसियाँ मिलकर काम करें। बोस्टन ग्रुप के आशीष गर्ग, आईआईएफसीएल के पलाश श्रीवास्तव और अशोक बिल्डकान के सतीश डी. प्रकाश ने भी विचार रखे।

ग्रीन क्लीन लिवबल सिटीज विषय पर चर्चा: दूसरे सत्र में हरे-भरे शहर%% विषय पर विशेषज्ञों ने विचार रखे। विशेषज्ञों का मानना था कि नगरीय निकाय शहरों को हरा-भरा रखने और पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिये नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करें। इसी तरह अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छ जल व्यवस्था में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना चाहिये। इस संबंध में नगरीय प्रशासन आयुक्त सी.बी. चक्रवर्ती एम., प्रो. वी. श्रीनिवास चेरी, आनंद अय्यर, आला अयोध्या, समिथा आर. और डॉ. के.वी. जार्ज ने भी अपने विचार रखे।

एक जिला-एक उत्पाद जोन रहा जीआईएस का विशेष आकर्षण

भोपाल। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-2025 में आए विदेशी और स्वदेशी निवेशकों के लिये मानव संग्रहालय परिसर में एक जिला-एक उत्पाद जोन बनाया गया। यह जोन एक जिला-एक उत्पाद योजना में प्रदेश के अलग-अलग जिलों से चयनित उत्पादों के परिचय और निवेश को आकर्षित करने के लिये बनाया गया। समिट में मध्यप्रदेश के एक जिला-एक उत्पाद योजना में स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बाजार उपलब्ध कराने की दृष्टि से वन डिस्ट्रिक-वन प्रोडक्ट विलेज की वृहद प्रदर्शनी भी लगाई गई। जीआईएस में शामिल विदेशी निवेशकों और मेहमानों के लिये यह जोन विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा। निवेशकों ने ओडीओपी जोन में अलग-अलग जिलों के चयनित उत्पादों को देखा, समझा और सराहा। मानव संग्रहालय परिसर के स्थित ओडीओपी जोन में विदेशी निवेशकों और मेहमानों को प्रदेश की रंग-बिरंगी लोक संस्कृति की झलक दिखाई गई। बुंदेलखंड के बधाई, बैतूल के कोरकू समुदाय का गडली सुसुन नृत्य, बांसूरी की मधुर तान, ढोल और झुंझुरी की थाप ने पूरे माहौल को आनंदित कर दिया। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोक कलाकारों ने रंग-बिरंगे परिधानों से सजकर लोक नृत्य की प्रस्तुतियां दी। ओडीओपी जोन देखने आए निवेशकों और मेहमानों ने लोक कलाकारों का तालियों से उत्साहवर्धन किया और सेल्फी भी खिंचवाई। ओडीओपी जोन में प्रदेश के विभिन्न जिलों के विशिष्ट उत्पाद जैसे ग्वालियर सैंड स्टोन, बुरहानपुर केले के प्रोडक्ट, बैतूल मैटल की सजावट सामग्री, शिवपुरी जैकेट, सीहोर लकड़ी के खिलौने आदि उत्पादों का अवलोकन किया। सभी ने उत्पादों की गुणवत्ता और रचनात्मकता की सराहना की। मेहमानों ने बुंदेली, मालवी और परम्परागत जनजातीय व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

जानलेवा जाम की वजह से लोगों का बुरा हाल, अस्वस्थ्य परिस्थिति में होती है असली परीक्षा

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जनता की सुविधा के नाम पर जो व्यवस्था की जाए, वही किसी के लिए जानलेवा साबित हो जाए। अगर कहीं ऐसा होता है तो यह सरकारी इंतजामों और उससे जुड़े अधिकारियों की अदूरदर्शिता और लापरवाही का ही उदाहरण होगा, जिसकी वजह से किसी ऐसे मरीज की जान चली जाती है, जिसे थोड़ी सजगता से बचाया जा सकता था? गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रद्धालुओं की भीड़ और जाम के मद्देनजर प्रशासन ने जो अवरोधक खड़े किए थे, उसके पीछे मकसद भीड़ को नियंत्रित करना बताया गया था।

मगर इस इंतजाम के पीछे अदूरदर्शिता और प्रशासनिक संवेदनहीनता तब सामने आई, जब एक स्थानीय भाजपा नेता की तबीयत ज्यादा खराब हो गई और सड़क पर लगे अवरोधक की वजह से उनकी गाड़ी समय रहते आगे नहीं बढ़ पाई। खबरों के मुताबिक, भाजपा नेता के परिवार के लोगों ने वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों से अवरोधक खुलवाने की गुहार लगाई, उच्च स्तर के अधिकारियों को भी फोन किया, लेकिन रास्ता नहीं खुल सका। सवा घंटे बाद जब अवरोधक हटाया गया, तब आगे भी यही हालत होने की वजह से गाड़ी समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाई और आखिरकार उनकी मौत हो गई। यानी भीड़ और जाम से निपटने के लिए व्यवस्था बनाने के नाम पर जिस तरह सड़क को बाधित किया गया था, उसमें आपात अवस्था में पहुंचे किसी मरीज को भी आगे निकलने देने का खयाल नहीं रखा गया। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को आपात अवस्था में पहुंचे किसी मरीज की नाजुक हालत देखने के बावजूद कोई विशेष इंतजाम करना जरूरी नहीं लगा। क्या यह लापरवाही के साथ-साथ संवेदनहीनता का परिचायक नहीं है? यह अकेले अयोध्या का मामला नहीं है। देश के अलग-अलग हिस्सों से सड़कों पर लगने वाले जाम की वजह से लोगों और खासकर बीमार लोगों को होने वाली असुविधाएं कोई छिपी हकीकत नहीं है। अफसोसनाक यह है कि न केवल जाम, बल्कि इस समस्या से पार पाने के लिए पुलिस की ओर से जो इंतजाम किए जाते हैं, वे भी कई बार आपात अवस्था में किसी बीमार या जरूरतमंद लोगों की मदद नहीं कर पाते हैं।

उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग

किसी भी समाज व देश की उन्नति में शिक्षा का विशेष योगदान होता है। हाल ही में जारी टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड रेपुटेशन रैंकिंग में भारत के चार प्रमुख विश्वविद्यालयों के भी नाम हैं, जिसमें आईआईएससी बेंगलुरु, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी मद्रास तथा चौथे स्थान पर शिक्षा 'ओ' अनुसंधान शामिल है। भारत के विश्वविद्यालयों समेत दूसरे उच्च शिक्षण संस्थान भी पिछले वर्षों में तरक्की के नए पायदानों पर पहुंचे हैं, लेकिन वहीं जब इन शिक्षण संस्थानों की विश्वस्तरीय रैंकिंग सामने आती है, तो हमारे उच्च शिक्षण संस्थान मुकाबले में कहीं पीछे नजर आते हैं। ऐसा इसलिए कि विकसित कहे जाने वाले देशों के शैक्षणिक संस्थान किताबी ज्ञान के साथ-साथ कौशल विकास को भी प्राथमिकता दी जाती है। यह बात भी सोचनीय है कि इन विश्वविद्यालयों समेत पिछली बार भारत की जितनी भी उच्च शिक्षण संस्थाएं रैंकिंग में शामिल थीं, उनमें इस बार गिरावट आई है। विश्व स्तरीय रैंकिंग में भारत का नाम आना हमारे लिए भले ही संतोष की बात हो, लेकिन यह भी सोचना होगा कि आखिर क्या कारण हैं कि हमारे ज्यादा संस्थान ऐसी रैंकिंग में जगह क्यों नहीं बना पाते? यही नहीं जो संस्थान एक बार रैंक सूची में आते हैं, तो फिर अगली बार उससे भी नीचे वाली रैंक में क्यों आने लगते हैं? जाहिर है उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सरकार और निजी क्षेत्र दोनों को अभी और प्रयास करने बाकी हैं। साथ ही किताबी शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास भी ध्यान देना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा तकनीक के साथ कदमताल करते हुए नवाचारों को बढ़ावा तो देना ही होगा, साथ ही शोध पर भी बराबर जोर देना होगा। हमको इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी मद्रास और सूची में नई शामिल हुई शिक्षा 'ओ' अनुसंधान जैसी संस्थाएं और खड़ी करनी होंगी। ऐसा तब ही संभव है जब हमारे संस्थानों में विश्वस्तरीय संसाधन व सुविधाएं उपलब्ध हों।वर्तनाम परिदृश्य की बात कि जाए तो हमारे यहां के विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए विदेशों के शीर्ष शिक्षण संस्थानों में दाखिले को लालायित रहते हैं। इन संस्थानों में दाखिला लेने में जो सफल हो जाते हैं, उनमें से अधिकांश वहीं रोजगार भी हासिल कर लेते हैं। प्रतिभा पलायन की बड़ी वजह भी यही है कि भारत में विश्वस्तरीय संस्थान गिनती के ही हैं। हमारे नीति-नियंताओं को विचार करना होगा कि यदि हम भविष्य में वैश्विक स्तर पर हमारे संस्थानों को और प्रतिस्पर्धी व बेहतर बनाने चाहते हैं, तो अपनी शिक्षा में नवाचार, कौशल प्रशिक्षण और गुणवत्ता का खास ध्यान रखना होगा।

क्यों प्रिय है भगवान शिव को भांग और धतूरा, समुद्र मंथन से जुड़ा है इसका रहस्य

भगवान शिव को भांग और धतूरा चढ़ाने की परंपरा सदियों पुरानी है। हिंदू धर्म में शिवलिंग पर अलग-अलग वस्तुएं चढ़ाने का विशेष महत्व है, लेकिन भांग और धतूरा विशेष रूप से शिव को अर्पित किए जाते हैं। यह परंपरा शिव पुराण में वर्णित समुद्र मंथन की घटना से जुड़ी हुई है, जब शिव ने सृष्टि को बचाने के लिए हालाहल विष का पान किया था। इन वस्तुओं को चढ़ाने से भगवान भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों को आशीर्वाद देते हैं। सावन के महीने में तो इसका विशेष महत्व होता है, जब भक्त पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव से शिवलिंग पर जल, बेलपत्र, धतूरा और भांग अर्पित करते हैं।

शिव पुराण के मुताबिक, देवताओं और असुरों के बीच हुए समुद्र मंथन के दौरान कई अनमोल वस्तुएं निकलीं, लेकिन उनके साथ ही एक अत्यंत विषैला पदार्थ ÷हालाहल विष÷ भी उत्पन्न हुआ। ऐसा माना जाता है कि, यह विष इतना प्रचंड था कि अगर वह सृष्टि में फैल जाता, तो सम्पूर्ण ब्रह्मांड नष्ट हो सकता था। इस विकट परिस्थिति में सभी देवताओं ने भगवान शिव से सहायता की प्रार्थना की। करुणा के सागर महादेव ने बिना किसी संकोच के समस्त विष को अपने कंठ में धारण कर लिया, लेकिन उसे अपने पेट में नहीं जाने दिया। इस कारण उनका गला नीला पड़ गया और वे ÷नीलकंठ÷ कहलाए।

शिव जी विष पीने से हुए व्याकुल

माना जाता है कि, हालाहल विष अत्यंत शक्तिशाली था, जिसके कारण भगवान शिव के शरीर में तीव्र जलन और गर्मी उत्पन्न हो गई। इससे वे व्याकुल हो गए और उनकी चेतना खत्म होने लगी। देवताओं के लिए यह एक गंभीर संकट बन गया। भोलेनाथ की इस स्थिति को देखकर सभी देवता और ऋषि-मुनि समाधान खोजने लगे। इस विष के प्रभाव को शांत करने के लिए उपाय किए जाने लगे ताकि भगवान शिव को राहत मिल सके।

शिव पुराण के मुताबिक, माना जाता है कि इस विकट परिस्थिति में माता आदि शक्ति प्रकट हुईं और उन्होंने देवताओं को उपाय सुझाया। उन्होंने कहा कि शिव जी की इस जलन और विष के प्रभाव को कम करने के लिए औषधीय गुणों वाली जड़ी-बूटियों का उपयोग किया जाए। इसके बाद, देवताओं ने धतूरा और भांग को भगवान शिव के मस्तक पर रखा और उनके सिर पर जलाभिषेक किया। ऐसा करने से विष के प्रभाव को कम करने में सहायता मिली और भगवान शिव की व्याकुलता धीरे-धीरे समाप्त होने लगी।

माना जाता है कि, इस उपचार के प्रभावी होने के बाद, भगवान शिव पूरी तरह से होश में आ गए। यह घटना इतनी महत्वपूर्ण मानी गई कि तभी से शिवलिंग पर भांग और धतूरा चढ़ाने की परंपरा आरंभ हो गई। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, भांग और धतूरा भगवान शिव की व्याकुलता को दूर करने में सहायक सिद्ध हुए थे, इसलिए ये वस्तुएं उनके लिए अत्यंत प्रिय मानी जाती हैं। भक्तगण श्रद्धा और भक्ति के साथ शिवलिंग पर भांग, धतूरा और जल अर्पित करते हैं ताकि भोलेनाथ की कृपा उन पर बनी रहे।

धतूरा और भांग का औषधीय महत्व

माना जाता है कि, आयुर्वेद में भी धतूरा और भांग को अत्यंत प्रभावशाली औषधि के रूप में जाना जाता है। धतूरे में विषनाशक गुण होते हैं और यह विषैले प्रभाव को कम करने में सहायक होता है। इसके अलावा, यह औषधि पुराने बुखार, जोड़ों के दर्द और त्वचा संबंधी समस्याओं के उपचार में भी प्रयुक्त होती है। भांग को भी एक औषधीय जड़ी-बूटी माना जाता है, जो मानसिक शांति देने और तनाव को कम करने में सहायक होती है। धार्मिक दृष्टि से देखें तो ये दोनों पदार्थ शिव जी को अर्पित करने से विशेष आध्यात्मिक लाभ मिलता हैं। धतूरे को ज्योतिष शास्त्र में राहु ग्रह का कारक माना जाता है। माना जाता है कि, जिन जातकों की कुंडली में राहु से संबंधित दोष होते हैं, जैसे कालसर्प दोष और पितृ दोष, वे शिव जी को धतूरा अर्पित करके इन दोषों को कम कर सकते हैं। यह ग्रहों की अशुभता को दूर करने और जीवन में शांति बनाए रखने में सहायक होता है। इसलिए भक्तगण शिवलिंग पर धतूरा चढ़ाकर भोलेनाथ की कृपा प्राप्त करने का प्रयास करते हैं और जीवन के कष्टों से मुक्ति पाते हैं।

तस्वीर की सियासत बनाम सियासत की तस्वीर

निर्मल रानी

देश सरकारी कार्यालयों में प्रायः राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी,देश के राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के चित्र लगाये जाते हैं। जबकि राज्यों में इनके साथ मुख्यमंत्री व राजयपाल के चित्र भी लगाये जाते हैं। इस व्यवस्था को %प्रोटोकॉल % अथवा शिष्टाचार / नवाचार कहा जाता है। शीर्ष पदों पर बैठे लोग समय समय पर अपनी सुविधानुसार या किसी पूर्वाग्रह के चलते स्वेच्छा से इसमें बदलाव भी करते रहते हैं। उदाहरण के तौर पर आपको झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यालय में मुख्यमंत्री की कुर्सी के ठीक पीछे मुख्य रूप से केवल उनके पिता शिबू सुरेन का ही चित्र लगा मिलेगा। ज़ाहिर है वे उन्हें ही अपना आदर्श नेता मानते हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के कार्यालय में राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के चित्र से आकार में भी बड़ा तथा बिल्कुल मध्य में गुरु गोरखनाथ का चित्र लगाया गया है। अनेक मुख्यमंत्रियों के कार्यालयों में उनकी अपनी पसंद के आधार पर चित्र लगाये गए हैं।

दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी जनवरी 2022 में गणतंत्र दिवस से एक दिन पूर्व दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय सहित राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों में केवल बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह के चित्र लगाने के निर्देश जारी किये थे। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया था कि दिल्ली सरकार के सभी कार्यालयों में किसी अन्य नेता की तस्वीरें प्रदर्शित नहीं की जायें । तब से लेकर पिछले दिनों दिल्ली की सत्ता बदलने तक दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर राज्य के अधिकांश कार्यालयों में महात्मा गाँधी, प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति की तस्वीर हटाकर बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह के चित्र लगा दिए गये थे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी कुर्सी के ठीक पीछे बाबासाहेब और भगत सिंह के चित्र लगाये थे जो उनके बाद आतिशी के मुख्यमंत्री काल में भी लगे रहे।

परन्तु जिस दिन दिल्ली में 27 साल का वनवास ख़त्म कर भाजपा सत्ता में आई व भाजपा की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कार्यभार संभाला उस दिन उन्होंने सबसे पहले मुख्यमंत्री की कुर्सी के पीछे लगे अंबेडकर और भगत सिंह के चित्रों को हटाकर उनके स्थान पर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी,प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति के चित्र लगा दिए। जबकि पूर्व में लगे चित्रों को दूसरी दीवार पर स्थान दिया गया। इसी बात पर आम आदमी पार्टी ने हंगामा खड़ा करते हुये इसे राजनैतिक मुद्दा बना लिया। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने तस्वीर हटाने पर कहा कि ÷यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली विधानसभा का नेतृत्व ऐसी पार्टी कर रही है, जो दलित और सिख विरोधी है। भाजपा ने अपना दलित विरोधी रुख़ दिखाते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय से बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर और शहीद भगत सिंह के चित्र हटा दिए हैं। परन्तु तस्वीरों पर सियासत करने वाली आप भी ऐसे सवालों से बच नहीं सकती। आम आदमी पार्टी नेताओं को भी यह बताना पड़ेगा कि उन्होंने अपने कार्यालय से राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की फ़ोटो क्यों हटाई थी ? यदि मान लिया जाये की नरेंद्र मोदी उनके घोर विरोधी नेता हैं परन्तु वे देश के प्रधानमंत्री भी हैं। मान लीजिये कि राजनैतिक पूर्वाग्रह के कारण उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र नहीं लगाया परन्तु उन्होंने आख़िर राष्ट्रपति का चित्र क्यों नहीं लगाया गया ?

जहाँ तक सवाल है तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा मात्र चित्र लगाकर बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह को सम्मान दिये जाने का, तो यदि अरविंद केजरीवाल के वक्तव्यों पर नज़र डालें तो केजरीवाल की बातें तो इन नेताओं के मूल विचारों के बिल्कुल विरुद्ध हैं। मिसाल के तौर पर अरविंद केजरीवाल ने 27 अक्टूबर 2022 को मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे एक पत्र के माध्यम से यह मांग की थी कि भारतीय नोटों पर गांधी जी के साथ-साथ लक्ष्मी-गणेश की तस्वीर भी छपे। उनका कहना था कि इससे देश की अर्थव्यवस्था को भगवान का आशीर्वाद मिलेगा। विघ्नहर्ता का आशीर्वाद होगा तो अर्थव्यवस्था सुधर जाएगी। इसलिए मेरी केंद्र सरकार से अपील है कि भारतीय करेंसी के ऊपर लक्ष्मी गणेश की तस्वीर छापें। क्या केजरीवाल का यह सुझाव बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह जैसे महापुरुषों के विचार सम्मत है ? किसी का चित्र लगाने का अर्थ आख़िर क्या होता है ? केवल उस महापुरुष के समर्थकों या उनके समुदाय को खुश करना या उनके आदर्शों को मानना व उनपर चलना ? बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह के जीवन की कौन सी शिक्षा है जिसने केजरीवाल को इस बात के लिये प्रेरित किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को उपरोक्त सलाह दे डाली। वह भी स्वयं एक शिक्षित व राजस्व सेवाओं के अधिकारी होने के बावजूद। हद तो यह है कि प्रधानमंत्री को यह पत्र लिखते समय केजरीवाल ने यह भी लिहा था कि ÷यह देश के 130 करोड़ लोगों की इच्छा है कि भारतीय करेंसी पर एक ओर महात्मा गांधी व दूसरी ओर लक्ष्मी-गणेश जी की तस्वीर भी लगाई जाए।

इसी तरह विधान सभा चुनावों की घोषणा से पूर्व दिसंबर 2024 में दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने एक और ऐसी ही चुनावी फुलझड़ी छोड़ते हुये यह घोषणा कर डाली कि आम आदमी पार्टी के चुनाव जीतने पर मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 18 हज़ार रुपए प्रति माह की सम्मान राशि दी जाएगी। केजरीवाल ने इसे पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना का नाम दिया। इस घोषणा की आलोचना करते हुये भाजपा ने उसी समय यह जवाब दिया था कि चुनावी हिंदू केजरीवाल ने मंदिर और गुरुद्वारों के बाहर शराब के ठेके खोले हैं और उनकी पूरी राजनीति हिंदू विरोधी रही है। भाजपा भी इसी तरह गांधी व बाबासाहेब अंबेडकर व भगत सिंह जैसे आदर्श पुरुषों के केवल चित्र लगाकर या उनपर ख़ास अवसरों पर माल्यार्पण कर उनके प्रति अपने आदर व सम्मान का दिखावा तो ज़रूर करती है परन्तु हक़ीक़त में वह भी दिखावा मात्र ही है। अन्यथा घोर हिंदुत्ववादी राजनीति का गांधी व बाबासाहेब आंबेडकर व भगत सिंह जैसे महान देशभक्त मानवतावादी नेताओं से क्या लेना देना ? यह तो धर्म और राजनीति के ऐसे घालमेल को ही विध्वंसक मानते थे। कहना ग़लत नहीं होगा की इसी तस्वीर की सियासत ने ही देश की सियासत की तस्वीर को बदनुमा कर डाला है जिसकी भरपाई महात्मा गांधी व बाबासाहेब , व भगत सिंह जैसे आदर्श पुरुषों के केवल चित्र लगाकर या उन की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर नहीं बल्कि केवल सच्चे मन से उनके बताये हुये रास्तों व उनके आदर्शों पर चलकर ही की जा सकती है ?

महाकुंभ की ऐतिहासिक सफलता पर अनर्गल प्रलाप क्यों ?

ललित गर्ग

महाकुंभ केवल एक धार्मिक समागम ही नहीं है, यह भारत की संस्कृति का भी परिचायक एवं आत्मा है। इस बार महाकुंभ में जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महाकुम्भ को मृत्युकुम्भ कहा तो सपा सांसद जया बच्चन एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि शवों को गंगा में बहा दिया गया, लालू यादव कहते हैं फालतू है महाकुम्भ। इस प्रकार के गैर जिम्मेदाराना बयान सनातन धर्म के जुड़े हुए सबसे बड़े आयोजन के प्रति दिए गए हैं। ऐसे एवं कुछ अन्य विपक्षी नेताओं के भ्रामक, त्रासद एवं गुमराह करने वाले बयानों से वहां जाने वाले लोगों को भयभीत, आतंकित और आशंकित किया गया। इन विपक्षी नेताओं का एक वर्ग, धर्म का मखौल एवं उपहास उड़ाते हुए लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती हैं। यह समझ आता है कि कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये कब जागरूक एवं संगठित होगा?

प्रयागराज महाकुंभ 2001, इस सहस्राब्दी का पहला कुंभ था, जो एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हुआ है। जिसमें लगभग 62 करोड़ से अधिक लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने न केवल देश बल्कि दुनिया को चौंकाया है। यह दुनिया का पहला विशाल आयोजन है, जिससे भारत एवं सनातन धर्म का गर्व एवं गौरव दुनिया में बढ़ा है। बावजूद इसके विपक्षी नेता जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता, सनातन विरोधी मानसिकता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। विडम्बना देखिये कि इसका नुकसान उनको एवं उनके दल को भी हो रहा है। भारत में सनातन विरोध की राजनीति करके वे अपनी ही जड़े उखाड़ रहे हैं, यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है।

मध्यप्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम मेडिकल एवं साइंस रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ का उल्लेख करते हुए जिस तरह कुछ विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा, उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग वास्तव में अनावश्यक और अनर्गल टीका-टिप्पणी करने में लगे हुए हैं। पुरानी कहावत है, मियाँ को न पाऊँ तो बीवी को नोच खाऊँ वाली स्थिति विपक्षी नेताओं एवं दलों की हो चुकी है। इसे छिद्रान्वेषी मानसिकता ही कहा जाएगा। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, अनर्गल, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचना से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। विपक्षी नेता अपने नजरिए को बदलें और देश में नफरत और झूठ की राजनीति करके भ्रम फैलाने की ओछी राजनीतिक हरकतों से बाज आएं। विपक्ष जिस भाषा का प्रयोग कर रहा है, वह किसी भी सभ्य समाज को शोभा नहीं देती। विपक्षी नेताओं ने सारी हदें लांघते हुए जो तुलनाएँ की, जो अनर्गल प्रलाप किया है वह निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। प्रतीत होता है हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है।

कुछ विपक्षी नेताओं ने चुन-चुनकर इस आयोजन की समस्याओं को गिनाने में अतिरिक्त दिलचस्पी दिखाई और इस क्रम में वहां मची भगदड़ का जिक्र करते हुए यहां तक कहा कि उसमें हजारों लोगों की मृत्यु हुई है। यह गैरजिम्मेदारी, मानसिक दिवालियापन एवं अपरिपक्व सोच के अतिरिक्त और कुछ नहीं। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने ऐसे लोगों को कठघरे में खड़ा किया, क्योंकि वे हिंदू आस्था पर जानबूझकर प्रहार ही कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि महाकुंभ भारत की संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। अच्छा हो कि विपक्षी नेता यह समझें कि ऐसे आयोजनों पर उनकी बेजा एवं बेतुकी टिप्पणियां उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान ही पहुंचाती हैं।

हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। ऐसे लोग भूल जाते है कि हिन्दू भारत का बहुसंख्य वर्ग है, भारत एक हिन्दू राष्ट्र है, उसका विरोध करते हुए वे अपनी राजनीति जमीन को ही खोखला करते हैं। मोदी-योगी एवं भाजपा विरोध करते हुए वे राष्ट्र एवं सनातन विरोध पर उतर आते हैं। हिन्दू पर्व, परंपराओं और प्रथाओं को गाली देते है, जो धर्म एवं संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है, विश्व मानवता को जोड़ने वाली है, उस पर कीचड़ उछाल कर वे सछिद्र नाव में सवार है। हिन्दू समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं।

महाकुम्भ कोई नया आयोजन नहीं है, बल्कि यह वैदिक परंपरा से चला आ रहा है। ऋग्वेद, अथर्ववेद और श्रीमद्भागवत महापुराण में भी इसका उल्लेख है। यह आयोजन भारतीय संस्कृति की आत्मा है और इसे संकीर्ण राजनीतिक नजरिए से देखना अनुचित है। विपक्षी दलों के बयान ना सिर्फ़ उनके सनातन विरोधी चरित्र को दिखाता हैं बल्कि उनकी गिद्धदृष्टि को भी उजागर करता है जो महाकुंभ के खिलाफ़ दुष्प्रचार की आंधी से हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा एवं षडयंत्र है। यह सनातन धर्म पर प्रहार न केवल निंदनीय है बल्कि शर्मनाक भी है। जबकि विदेशों से आये मेहमानों ने महाकुंभ के भव्य, व्यवस्थित एवं सफल आयोजन की भरपूर सराहना की है, इटली से आए एक श्रद्धालु ने कहा, यहां आकर जो मेरा अनुभव है, वह काफी शानदार रहा है। इटली के ही एक फोटोग्राफर ने कहा कि वह महाकुंभ की तस्वीरें लेने आए हैं। कुंभ में घूमने के दौरान कुछ लोगों से मिलने का मौका मिला। मुझे भारत की विविधता काफी अच्छी लगती है। उन्होंने बताया कि वह अब तक पांच कुंभ मेलों में शामिल हो चुके हैं, लेकिन यह उनमें सबसे बेहतर है। ब्रिटेन से आई एक श्रद्धालु ने कहा, बहुत खुश हूं। यह एक बहुत ही खास जगह है। यह काफी जादुई लगता है। बहुत, बहुत अच्छा, एक प्यारा अनुभव। ब्रिटेन के ही एक अन्य श्रद्धालु ने कहा कि यहां गंगा नदी में स्नान का अनुभव काफी अच्छा है। मैं समझता हूं कि भारत सबसे बढ़िया देश है। इस तरह भारत के गौरव को बढ़ाने वाली इन टिप्पणियों से न केवल महाकुंभ बल्कि सनातन संस्कृति का दुनिया में परचम फहराया है बल्कि उसमें चार चांद लगे हैं

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

विजयलक्ष्मी को पीएचडी की उपाधि

खरगोन//पोलिटेक्निक कॉलेज में बतौर व्याख्याता के रुप में पदस्थ विजयलक्ष्मी को पीएचडी की उपाधि प्रदान कि गई है। उन्होंने अपना शोध कार्य डॉ. शाहनी सुल्तान, डॉ. पुष्पेंद्र तिवारी के निर्देशन में पूरा किया। कुलपति ने अकादमिक परिषद के अनुमोदन की प्रत्याशा में विजयलक्ष्मी द्वारा प्रस्तुत थीसिस को स्वीकार कर उन्हें डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की डिग्री के लिए पात्र घोषित किया है। श्रीमत विजय लक्ष्मी को मिली उपाधि पर क्रांतिसूर्य टंट्या मामा विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. जीएस चौहान, जयपुर युनिवर्सिटी कुलगुरु डॉ. अंकित गांधी, पीजी कॉलेज खरगोन पूर्व प्राचार्य डॉ. आरएस देवडा, हमीदिया कॉलेज भोपाल के प्राचार्य डॉ. अनिल शिवानी, डॉ. मुकेश कुमार ने बधाई दी है।

विधायक ने महाकुंभ संगम का जल पार्वती नदी में प्रवाहित किया

आष्टा। हमारा नगर आस्था से सराबोर नगर है इसी आस्थावान नगर की आस्था की सार्थकता को नपाध्यक्ष हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा ने प्रयागराज महाकुंभ संगम से लाए गए जल को नगर की जीवन दायिनी मां पार्वती नदी में प्रवाहित कर सिद्ध करके दिखाया है। एक भव्य धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन कर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर के मुख्य आतिथ्य में नपाध्यक्ष हेमकुंवर मेवाड़ा, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने विद्वान विप्रजनों द्वारा पूजा-अर्चना व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संगम का जल पार्वती नदी में प्रवाहित किया। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने इस अवसर पर कहा कि विगत दिनों नगरवासियों के पुण्यप्रताप एवं आशीर्वाद से सपरिवार प्रयागराज महाकुंभ में आस्था की डूबकी लगाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दौरान मन में भाव उत्पन्न हुआ कि हमारे नगर के अनेक ऐसे श्रद्धालुजन है जो महाकुंभ में आने से किसी कारणवश वंचित रह गए है, उन सभी की आस्था को बढ़ाने और संगम के जल से स्नान का लाभ अर्जित करवाने के लिए संगम का जल साथ लेकर आए, जिसका आज पूर्ण विधि-विधान से जीवन दायिनी मां पार्वती नदी में संगम के जल को प्रवाहित किया गया। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने कहा कि अब नगरवासियों के घरों तक नलों के माध्यम से महाकुंभ संगम का पवित्र जल पहुंचेगा, जिससे महाकुंभ में जाने से वंचित रह गए नागरिकगण स्नान कर धर्मलाभ अर्जित कर सकेंगे। मैंने सनातन समाज में जन्म लिया है मेरे अंदर भी सनातनी रक्त है तो मैं हमेशा इस प्रयास में लगा रहता हूं कि किसी तरह मैं सनातन समाज के काम आ सकूं। इसी तारतम्य में हमारी परिषद द्वारा नदी के दोनों ओर घाटों का निर्माण कराकर नदी का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। श्री मेवाड़ा ने कहा कि नदी के सुदढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण की अनेक योजनाएं है जो भविष्य में पूर्ण की जाएगी। जलार्पण के पश्चात उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा मां पार्वती नदी को चुनरी भी अर्पित की गई। कार्यक्रम को नगर पुरोहित मनीष पाठक, सकल समाज अध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव, हिउस अध्यक्ष कालू भट्ट, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अंजनी चैरसिया, हेमंत गिरी ने भी संबोधित कर नपाध्यक्ष श्रीमती हेमकुंवर मेवाड़ा के कार्य की सराहना कर नगरवासियों की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 988 जोड़ों का हुआ एक ही पंडाल में विवाह और निकाह

आष्टा। मंगलवार को शहर के कन्नौद रोड और स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी ग्राउंड पर मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह निकाह योजना का आयोजन किया गया जिसमें 988 जोड़ों का विवाह और निकाह संपन्न हुआ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वर वधुओं को वर्चुअल आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक, भाजपा जिला अध्यक्ष,जनपद अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी गण शामिल हुए इस बार पुलिस प्रशासन ने जाम ना लगे इसलिए ट्रैफिक व्यवस्था भी अच्छी बनाई थी इस कारण इस बार पार्किंग की अलग-अलग स्थान पर मंडी सहित अन्य स्थानों पर की गई थी इसलिए इस बार जाम से जूझना नहीं पड़ा और कार्यक्रम स्थल पर जाम नहीं लगा यहां तक की कन्नौद मार्ग पर आज यातायात बेहतर रहा।

नागराजाओं ने पत्थरों को काटकर बनाया था मंदिर, शिवरात्रि पर लगता है मेला

छतरपुर। जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर हरपालपुर नगर के पास स्थित सरसेड़ छठवीं शताब्दी में नागराजाओं की राजधानी रहीं है। इस गांव में बना शिव मंदिर पहाड़ की गोद में स्थित है। जो पूरी तरह पत्थरों को काट कर बनाया गया हैं। भूतेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं का तांता लगता है।

नागराजाओं की आस्था विश्वास का प्रतीक अनोखा शिवमंदिर भले ही कोर्णाक व खजुराहों के मंदिरों की तरह प्रसिद्ध न हो पाया हो लेकिन मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कौतुहल और जिज्ञासा का केंद्र वर्षों से बना है।

सरसेड़ गांव में छठवीं शताब्दी में नागराजाओं की रियासत हुआ करती थी। नागराजाओं के काल में जो मंदिर मठ किले बनाए जाते थे उस में पत्थर का उपयोग किया जाता था। चुने का उपयोग नहीं होता था। सरसेड़ में स्थित भूतेश्वर महादेव के इस मंदिर का निर्माण नागराजा शांतिदेव के द्वारा कराने के प्रमाण इतिहास में मिलते हैं।

गांव में किंदवंती हैं कि सूखा अकाल पड़ने पर राज्य की जनता त्राहि त्राहि कर उठी तो नागराजा शांतिदेव ने इस आपने राज्य की जनता को बचाने के लिए शिव उपासना की तो भगवान शिव ने स्वप्न में दर्शन दे कर कहा कि इस पहाड़ पर कहीं भी खोदो पानी ही पानी होगा। जिसका प्रमाण आज भी है। मंदिर के पास पहाड़ बने में पांच जल कुंड भीषण सूखे में भी पानी से भरे रहते हैं। वहीं इस मंदिर के पास एक गणेश मंदिर है। जिसके पास से एक गुफा अंदर की ओर जाती हैं। भूतेश्वर महादेव के मंदिर में दूरदराज आने वाले श्रद्धालु, शिवलिंग पर जलचढ़ा कर पूजा अर्चना करते हैं।

ये है मंदिर की विशेषता..

भूतेश्वर महादेव मंदिर की विशेषता है कि शिवलिंग के ऊपर विशाल चट्टान हैं। जो लोगों की मान्यता अनुसार प्रत्येक पांच वर्ष में एक इंच ऊपर उठती हैं। दर्शन को आने वाले श्रद्धालु पहले लेटकर शिवलिंग की परिक्रमा करते थे। आज के समय में श्रद्धालु बैठकर आराम से परिक्रमा कर लेते हैं। मंदिर के प्रवेश द्वार के पास स्थित पत्थर पर सूर्य भगवान की प्रतिमा है जो पत्थर को काट कर उकेरी गई है।

इस मंदिर में महाशिवरात्रि पर मेले का आयोजन किया जाता है। जिसमें शिव-पार्वती विवाह सहित रामलीला का आयोजन होता है। शिवरात्रि के दिन हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ मंदिर में शिव दर्शन को उमड़ती है।

महाविद्यालय प्रबंधन के सरदार गंजनसिंह कोरकू के नाम का साइन बोर्ड लगाने को लेकर लापरवाही

आदिवासी समाज ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

राजेंद्र महाले भैंसदेही। भैंसदेही शासकीय महाविद्यालय का नामकरण आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सरदार गंजनसिंह कोरकू के नाम पर किए जाने की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 11 अगस्त 2024 को घोषणा की थी। लेकिन छह माह पश्चयात भी कॉलेज प्रबंधन ने संस्थान के नए नाम का साइन बोर्ड अभी तक नहीं लगाया है। जिसको लेकर आदिवासी समाज सहित विभिन्न संगठनों मे नाराजगी व्यक्त की है। आदिवासी कोरकू कल्याण समिति के प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष रतिराम लिखितकर ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा घोषित नामकरण को लागु नही करना कॉलेज प्रबंधन की लापरवाही को दर्शाता है। सरकार के आदेश के बाद संस्थान उसे अमल नही कर रहा तो आदिवासी महापुरुषों के सम्मान में लापरवाही है। समिति ने मांग की है कि मामले को संज्ञान ने लेकर कॉलेज में नए नाम का साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दे। ज्ञापन की प्रतिलिपि भैंसदेही विधायक महेन्द्र सिंह चौहान को दी गई है। जिन्होंने स्वयं मुख्यमंत्री से यह मांग रखी थी। साथ ही

शासकीय महाविद्यालय को भी पत्राचार किया है। आदिवासी समाज का कहना है कि सरकार के आदेशों को लागू करने में विलंब नही होना चाहिए। आदिवासी संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान का अपमान है। कार्यवाही नही होने पर अगला बढा कदम उठाएंगे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बैरसिया द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

बैरसिया।। मंगलवार को महाशिवरात्रि के उपलक्ष में हरसिद्धि कॉलोनी में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय बैरसिया द्वारा महाशिवरात्रि पर्व मनाया गया जिसमें ब्रह्माकुमारी शालू दीदी, ब्रह्माकुमारी संस्था के मुख्यालय भोपाल से ब्रह्मा कुमार सुरेश भाई नपाध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ जनपद पंचायत प्रतिनिधि कुबेर सिंह गुर्जर, पूर्व सांसद सुरेंद्र सिंह ठाकुर, दांगी समाज के जिला अध्यक्ष किशोर दांगी, जनपद सदस्य रविन्द्र दांगी, समन्वय अधिकारी जनपद पंचायत बैरसिया से राजेश राज,बिजली विभाग बैरसिया के सहायक प्रबंधक रामेश्वर दांगी, रंजन कुमार धुर्वे, मिथिलेश कुमार यादव, क्षेत्र के पत्रकार बंधु,

संस्कार वैली व एक्सीलेंस कान्वेंट स्कूल के बच्चे सहित बड़ी संख्या में नगर बैरसिया एवं आसपास के ग्राम से श्रद्धालु उपस्थित रहे, भोलेनाथ की पूजा अर्चना और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया साथ ही ब्रह्माकुमारी शालू दीदी ने मुख्य अतिथियों का फूल और तिलक से स्वागत किया,

कार्यक्रम में ब्रह्म कुमारी शालू दीदी ने महाशिवरात्रि पर्व का महत्व बताया जिसमें कहा कि जैसे कि हम भोलेनाथ के ऊपर आंकड़ा एवं जहरीला धतूरा चढ़ाते हैं तो भगवान को इन चीजों की आवश्यकता नहीं है आज मनुष्य के अंदर जो नफरत और द्वेष, का जहर भर गया है उसको भोलेनाथ के ऊपर अर्पण कर अपने जीवन को शुद्ध बनाना है और बताया कि परमात्मा के सत्य ज्ञान के द्वारा ही हम मन के मेल को साफ कर सकते हैं, इसके लिए जिस प्रकार हम रोजाना शरीर को भोजन कराते हैं इसी प्रकार रोजाना आत्मा को भी ज्ञान का भोजन देना पड़ेगा, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कुबेर सिंह गुर्जर ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था बहुत पुरानी संस्था है और हम सभी को सच्चे मन से ब्रह्माकुमारी संस्था के सत्य ज्ञान को सुनना चाहिए इसके साथ ही सभी को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामना दी, नपाध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ ने कहा कि आज जो हम यह कार्यक्रम कर रहे हैं ऐसा कार्यक्रम हम आगे भी करेंगे और हम मिलकर ब्रह्माकुमारी दीदियों के साथ में सहयोग कर परमात्मा का ज्ञान सुनेंगे, ब्रह्माकुमारी संस्था में आने से शांति की अनुभूति होती है, पूर्व सांसद सुरेंद्र सिंह ठाकुर ने शिवरात्रि पर्व की सभी को शुभकामनाएं दी और कहा कि हम सही दिशा में चलकर ही जीवन को चलाना सीख सकते हैं ब्रह्माकुमारी संस्था विश्व के 142 देशों में अपना कार्य कर रही है और यह संस्था बहुत अच्छी होगी तभी इतने बड़े स्तर पर कार्य किया जा रहा है, साथ ही कहा कि ब्रह्माकुमारी बहने और ब्रह्मा कुमार भाई अपने जीवन में त्याग धारण कर अपना जीवन छोड़कर जनमानस के हित में जनकल्याण के लिए अपना जीवन जीते हैं, तो हमें भी ज्ञान सुनकर अपना विवेक जागृत कर सही और गलत के फैसले करने हैं।

महाशिवरात्रि के पर्व पर भोजपुर शिव धाम में भक्तों की उमड़ी भीड़

औबेदुल्लागंज (संवाददाता) - महाशिवरात्रि के पावन पर्व की पूर्व संध्या पर शिव मंदिर भोजपुर में भगवान भोले नाथ जी का दिव्य अभिषेक एवं भव्य श्रृंगार किया गया भगवान भोले बाबा के दर्शन के लिए लगा सुबह से लगी भक्तों की भीड़ मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थल भोजपुर विधानसभा क्षेत्र मैं भगवान भोलेनाथ प्राचीन काल से विराजमान है-महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर आज से भोजपुर शिव मंदिर में रुद्राभिषेक एवं पूजा अर्चना 9 दिन तक की जाएगी भोजपुर शिव मंदिर पर शिवनवरात्रि प्रारंभ होने पर भगवान भोलेनाथ का भव्य अभिषेक भोजपुर मंदिर के महंत पवन गिरी ,महंत शैलेन्द्र गिरी एव अनूप गिरी द्वारा रुध्राभिषेक किया गया बाबा भोलेनाथ के इस शिवनवरात्री पर्व पर आज से शिवरात्रि तक विशेष पूजा अर्चना की जायेगी वही प्रशासन की व्यवस्था प्रशंसा योग्य है भोजपुर शिव धाम में भक्तों भीड़ को देखते हुए 6 जगह पार्किंग बनाई गई है एवं बड़े वाहनों पर रोक है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के दमोह जिले में आयोजित कार्यक्रमों में होंगे शामिल

दमोह। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 26 फरवरी को अपरान्ह 4 बजे फतेहपुर हेलीपेड पर पहुंचेंगे जहां उनका स्वागत होगा, आप अपरान्ह 4.05 बजे अजब धाम परिसर पहुंचकर मंदिर में दर्शन करेंगे, अपरान्ह 4.10 बजे वेद पाठ का अवलोकन करते हुये ई-कार्ट से सभा स्थल पहुंचेंगे, अपरान्ह 4.15 बजे मंच पर पहुंचेंगे एवं मंचासीन संतों का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। अपरान्ह 4.17 बजे अतिथि स्वागत किया जायेगा, अपरान्ह 4.20 बजे स्वागत-उदबोधन प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल द्वारा किया जायेगा। अपरान्ह 4.22 बजे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सभा को संबोधित करेंगे। अपरान्ह 4.37 बजे मुख्यमंत्री को स्मृतिचिन्ह भेंट किया जायेगा। अपरान्ह 4.40 बजे आभार प्रदर्शन किया जायेगा। अपरान्ह 4.42 बजे मुख्यमंत्री सभा स्थल से हेलीपेड के लिए प्रस्थान करेंगे एवं अपरान्ह 4.45 बजे फतेहपुर हेलीपेड से नोहटा हैलीपेड के लिए रवाना होंगे।

इसी प्रकार मुख्यमंत्री डॉ यादव का शाम 5 बजे नोहटा हैलीपेड पर आगमन एवं स्वागत स्वागत किया जायेगा। आप शाम 5.5 बजे नोहलेश्वर मंदिर पहुंचकर दर्शन एवं पूजन करेंगे, शाम 5.10 बजे महोत्सव स्थल पर आगमन होगा, शाम 5.12 बजे अतिथि स्वागत किया जायेगा, इसके पश्चात शाम 5.15 बजे स्वागत उदबोधन प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी द्वारा किया जायेगा। शाम 5.17 बजे मुख्यमंत्री का उदबोधन होगा, शाम 5.32 बजे मुख्यमंत्री को स्मृतिचिन्ह भेंट किया जायेगा। शाम 5.35 बजे सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जायेगी। तदोपरांत शाम 5.40 बजे आभार प्रदर्शन होगा। शाम 5.42 बजे मुख्यमंत्री महोत्सव स्थल से हेलीपैड के लिए प्रस्थान करेंगे एवं शाम 5.45 बजे हैलीपेड से खजुराहो जिला छतरपुर के लिये रवाना होंगे।

महाशिवरात्रि पावन पर्व पर सांसद ने भगवान जागेश्वर नाथ का किया जल अर्पण

दमोह आज महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर, प्रातः 4 बजे हजारों की संख्या में पधारे कावड़ यात्रीगण एवं श्रद्धालुओं के साथ ÷पनरिया÷ के माध्यम से मंदिर गर्भ गृह के बाहर से ही भगवान जागेश्वर नाथ जी की आरती- पूजन कर, जल अर्पण करते दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी इस अवसर श्रुतकीर्ति सोमवंशी भी उपस्थित रहे।

आवश्यकता है–
कंप्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है जिन्हें हिन्दी, इंग्लिश टायपिंग एवं ऑनलाईन का कार्य आता है.
संपर्क करें – बालाजी एसोसिएट्स
गर्ल्स कॉलेज के सामने 29, प्रेस काम्पलेक्स छिंदवाड़ा
मो. 7000769790, 6265219002

कार्यालय नगर पालिक निगम (यांत्रिक विभाग) भोपाल
निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 138/याँ.वि.2025 भोपाल, दिनांक 24.02.2025

निम्न कार्य हेतु म.प्र. लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारो से आनलाईन निविदा आंमत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण website https://www.mptenders.gov.in पर है।

क्र.	निविदा क्र.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत (रू. में)	निविदा क्रय करने का अंतिम दिनांक	समय
1	2025_UAD_404881_1	CONSTUCTION OF SLEB AND OTHER WORK FOR KABEER PANTHI SAMAJ SAMUDAYIK BHAWAN AT KABEER PANTHI MOHALLA AMRAI W-54 Z-13	7,59,025 /-	11-Mar-2025	05:30 PM
2	2025_UAD_404861_1	CONTRUCTION OF BOUNDARY WALL AND RETAINING WALL AT LANDMARK CITY NEAR DANISH NAGAR CULVERT W-54 Z-13	7,78,405/-	11-Mar-2025	05:30 PM

नोट: संशोधन वेबसाईट पर ही देखे जा सकेंगे समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होंगे।

नि.क्र.–1383/024/025

कार्यपालन यंत्री (सिविल)
नगर निगम, भोपाल

कार्यालय नगर परिषद हर्रई जिला छिंदवाड़ा (म.प्र.)

क्रमांक/450/राजस्व/न0पा0/2025 हर्रई दिनांक 25.02.2025

ई निविदा सूचना

नगर परिषद हर्रई जिला छिन्दवाड़ा (म0प्र0) द्वारा नगर विकास योजनांतर्गत दैनिक /साप्ताहिक आम बाजार/अस्थायी दखल फीस वसूली के अधिकारो का हस्तांतरण करने के लिये ई निविदा ऑनलाईन वेबसाईट WWW.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की जाती है निविदा का विवरण निम्नानुसार है–

टेंडर आई डी कमांक	ठेके का नाम	वसूली का क्षेत्र	आरक्षित मूल्य	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	अवधि
2025_UAD_405261_1	साप्ताहिक आम बाजार / दैनिक बैठकी बाजार एवं अस्थायी दखल फीस	नगर परिषद सीमा क्षेत्र	2377000/–	59500	5000	01/04/2025 से 31/03/2026 तक

1– ई–निविदा एवं शर्ते वेबसाईट WWW.mptenders.gov.in के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी।
2– ऑनलाईन ई–निविदा प्रपत्र खरीदने की तिथि 26/02/2025 प्रातः 10.30 से दिनांक 14/03/2025 सायं 05.30 बजे तक कय किये जा सकते हैं।
3– ऑनलाईन बिड सबमिट करने की अंतिम तिथि 14/03/2025. समय 05.30 बजे तक हैं।
4– ई– निविदा से संबंधित अन्य विस्तृत शर्ते एवं जानकारी कार्यालयीन नोटिस बोर्ड पर चस्पा है ।
5– निविदा संबंधी अन्य जानकारी अवकाश के दिनो को छोडकर कार्यालय में उपलब्ध है ।

(संगीता धर्मेन्द्र डेहरिया)
अध्यक्ष
नगर परिषद हर्रई

(अनिल कुमार देवार)
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद हर्रई

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव कोर्टयार्ड मैरिट में आयोजित एनआरआई समिट में शामिल हुए। यूके के अप्रवासी भारतीयों ने मुख्यमंत्री डॉ यादव का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने यूके के अप्रवासी भारतीयों द्वारा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रतिभागी के रूप में आने के लिए आभार व्यक्त किया।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवम लोहा निर्माता एवम व्यवसायी संघ द्वारा 125 करोड़ का इन्वेस्ट मध्यप्रदेश में किया जाएगा निवेश। **अनुपम अग्रवाल**

उज्जैन में 750 करोड़ में बनेगा नया एयरपोर्ट, केंद्रीय उड्डयन मंत्री राम नायडू ने किया ऐलान

भोपाल/उज्जैन। मध्यप्रदेश सरकार ने महाकाल की नगरी उज्जैन में एक नए एयरपोर्ट के निर्माण की घोषणा की है। इसकी जानकारी केंद्रीय उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) 2025 के दौरान दी। इसके साथ ही, प्रदेश में विमानन सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए 5 एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए गए।

उज्जैन एयरपोर्ट पर 750 करोड़ रुपए का निवेश

उज्जैन में नए एयरपोर्ट के विकास के लिए फ्लाई भारती कंपनी के साथ एमओयू किया गया है। इस परियोजना में 750 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इसके अलावा, प्रधान एयर कंपनी ने उज्जैन और राज्य के भीतर हवाई सेवाएं शुरू करने के लिए 150 करोड़ रुपए निवेश की योजना बनाई है।

मध्यप्रदेश में हर 50 किमी पर हेलिपैड की योजना

केंद्रीय उड्डयन मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में हर 100 किलोमीटर पर हवाई पट्टी और हर 150 किलोमीटर पर कमर्शियल एयरपोर्ट बनाने की योजना है। इसके अलावा, हर 50 किलोमीटर पर हेलिपैड बनाकर एयर कनेक्टिविटी को मजबूत किया जाएगा।

ट्रंप का बड़ा ऐलान, 5 मिलियन डॉलर लेकर देंगे गोल्ड कार्ड,दुनियाभर के अमीरों को अमेरिका में बसाने का प्लान

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति पद की कमान संभालने के बाद से ही डोनाल्ड ट्रंप कई बड़े फैसले ले रहे हैं। उन्होंने ऐलान किया है कि जल्द ही वह दुनियाभर के अमीरों को 'गोल्ड कार्ड' बेचेंगे। ट्रंप के मुताबिक यह अमेरिका में पहले से मिलने वाले ग्रीन कार्ड की तरह होगा लेकिन इसमें कुछ साख सुविधाएं भी दी जाएंगी। हालांकि इसके लिए 5 मिलियन डॉलर खर्च करने होंगे। इस कार्ड के जरिए दुनियाभर के अमीरों को अमेरिका में बसाने की तैयारी की जा रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यह योजना अगले दो हफ्ते में शुरू होने जा रही है और इसके लिए संसद की मंजूरी की भी जरूरत नहीं है। ड्रंप ने कहा कि जिन देशों के साथ अमेरिका के दोस्ताना संबंध हैं, वहां रहने वाले लोग इस कार्ड को हासिल कर सकते हैं। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मैं कुछ रूसी अरबपतियों को जानता हूं, जो बहुत अच्छे हैं। मुझे लगता है कि वे गोल्ड कार्ड को हासिल कर सकते हैं। गोल्ड कार्ड दरअसल अमेरिका में पहले से ही लोगों को मिल रहे ग्रीन कार्ड का प्रीमियम वर्जन होगा। हालांकि गोल्ड कार्ड प्राप्त करने के बाद लोगों को ग्रीन कार्ड के मुकाबले अधिक सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा अमेरिका में निवेश करने और नागरिकता प्राप्त करने का अवसर भी मिलेगा। ट्रंप सरकार का प्लान ऐसे करीब एक मिलियन कार्ड बेचने का है।

सरकारी पहचान पत्र या दस्तावेज, क्या होता है ग्रीन कार्ड

ग्रीन कार्ड अमेरिका का एक सरकारी पहचान पत्र या दस्तावेज है। इसे परमानेंट रेजिडेंट कार्ड (स्थायी निवासी कार्ड) के रूप में जाना जाता है। ग्रीन कार्ड पर व्यक्ति की पहचान से संबंधित जानकारी जैसे की उसका नाम, लिंग, मूल देश, जन्मतिथि, फोटो फिंगरप्रिंट, यूएससीआईएस नंबर, एक्सपायरी आदि अंकित होती है। इसे एलियन रजिस्ट्रेशन कार्ड और फॉर्म ढ्ढ-551 के नाम से भी जाना जाता है।

यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज जारी करती है ग्रीन कार्ड

ग्रीन कार्ड को यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज जारी करती है। इस कार्ड में कार्ड होल्डर की फोटो, फिंगरप्रिंट, बायोग्राफिक इंफोर्मेशन और एक्सपायरी डेट होती है। अमेरिका में भारतीयों की तादाद 48 लाख के आसपास है, जिसमें से बड़ी संख्या में लोगों के पास ग्रीन कार्ड है। 10 लाख भारतीय ऐसे हैं।

जियो हॉटस्टार पर 26 फरवरी को देखिए ज्योतिर्लिंगों की लाइव आरती

मुंबई। जियो हॉटस्टारमहाशिवरात्रि: दडिवाइननाइट के साथ एक अनोखे और मनमोहक महाशिवरात्रि कार्यक्रम के प्रसारण के लिए पूरी तरह तैयार है, जो 26 फरवरी को शाम 6 बजे से शुरू होने वाला 12 घंटे का विशेष लाइव प्रसारण होगा और पूरे देश में इस पवित्र उत्सव की भव्यता को प्रदर्शित करेगा। अपनी तरह का एक पहला, मल्टी-फॉर्मेट, मल्टी-लोकेशन, मल्टी-स्ट्रीम लाइव इवेंट, महाशिवरात्रि- दडिवाइननाइट, देश भर के ज्योतिर्लिंगों की 20 से ज़्यादा आरतियों तक रीयल-टाइम पहुँच के साथ साथ भारत को एक दिव्य उत्सव में एकजुट करने का विश्वास दिलाता है, जिससे दर्शक अपने घरों में बैठे ही इस उत्सव में भाग ले सकेंगे। इस लाइव इवेंट के सीधे प्रसारण में दर्शक सभी ज्योतिर्लिंगों की 20 से ज़्यादा आरतियों को रीयल-टाइम में देख सकते हैं,क्योंकि देश भर से प्रसारित ये उत्सव उनके डिवाइस पर होंगे। इसके ज़रिये वे आरतियों के महत्व को समझ सकते हैं और साथ ही अनुष्ठानों के अर्थ को भी गहराई से समझ सकते हैं। जियोहॉटस्टारने उनके भव्य अनुष्ठानों के लाइव प्रसारण के लिये ईशा फ़ाउंडेशन के साथ भागीदारी की है, जिसमें विभिन्न कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले संगीत-कार्यक्रम भी शामिल हैं, जिससे रात भर चलने वाले इन उत्सवों को देश भर में देखा जा सकेगा। इसमें सद्गुरु के ध्यान और उपदेश भी शामिल होंगे। इस लाइव इवेंट में भगवान शिव से प्रेरित और उन्हें समर्पित प्रस्तुतियां भी शामिल होंगी। विभिन्न विधाओं में संगीतमय प्रस्तुतियों की इस रात को लोकप्रिय गायिका, गीतकार और संगीतकार सोना मोहपात्रा प्रस्तुत करेंगी। इस प्लेटफार्म से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के नेतृत्व में आर्ट ऑफ लिविंग के लाइव ध्यान भी शामिल होंगे।

हाईफन फूड्स ने भारत में आलू की खेती में डिजिटल क्रांति लाने के लिए यू.के. की हार्वेस्टआई के साथ साझेदारी की

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की प्रमुख आलू प्रोसेसिंग कंपनी और फ्रोजन आलू प्रोडक्ट्स की सबसे बड़ी निर्माता, हाईफन फूड्स ने यू.के. की मशहूर फसल इनसाइट्स कंपनी, हार्वेस्टआई के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा करी। इस साझेदारी के तहत हाईफन फूड्स भारत में उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टेक्नोलॉजी लेकर आएगी। यह साझेदारी किसानों को बेमिसाल टेक्नोलॉजी मुहैया कराएगी जिससे वह उनकी फसल की पूरी क्षमता का लाभ उठा सकेंगे।हाईफन ग्रुप के एमडी और ग्रुप सीईओ, हरेश करमचंदानी ने कहा, यह रणनीतिक साझेदारी हमारे विजन के अनुरूप है, जो ताजा उपज से जुड़े खाद्य उद्योग में क्रांति लाने पर केंद्रित है। हाईफन ग्रुप की एग्रीबिजनेस यूनिट, हाईफार्म के जरिए हम आलू खेती में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी ला रहे हैं।हाईफार्म हमेशा नई डिजिटल टेक्नोलॉजी और प्रिसिजन कृषि उपकरणों को अपनाने पर जोर देता है, ताकि आलू की फसल की उत्पादकता, लाभ और गुणवत्ता में सुधार हो सके। यह आलू मूल्य श्रृंखला को बेहतर बनाता है, और फसल के नुकसान को कम करने में मदद करता है। हार्वेस्टआई, उन्नत मशीन लर्निंग (एएमएल) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संचालित विजन सिस्टम का इस्तेमाल करेगा, जो आलू की फसल का आकार, संख्या और वजन जैसी जानकारियां साथ के साथ देगा।

सोच लेस एंजॉय मोर विद केएफसी की बोनलेस रेंज

मुंबई, एजेंसी। टेस्ट द एपिक की करें तैयारी क्योंकि केएफसी की बोनलेस रेंज आपके लिए लेकर आ रही है, बेजोड़ क्रंच के साथ बेमिसाल और लाजवाब जायका। यह इतना आसान है कि सोच लेस एंड एंजॉय केएफसी बोनलेस। ईज़ी और कन्वीनिएंट ऑन-द-गो स्नैक के लिए केएफसी की क्रिस्पी, फिंगर लिकिंग गुड बोनलेस रेंज आपकी हर क्रेविंग को करेगी पूरा। केवल 99 रुपये से शुरू इस रेंज में चिकनलवर्स को मिलेंगे केएफसी के बेस्टसेलिंग मेन्यू से दो स्वादिष्ट बोनलेस विकल्प। बोनलेस चिकन स्ट्रिप्स के बोल्ड जायके का मजा लें। यह क्रिस्पी, टेंडर और स्वादिष्ट मसालों में लिपटा एक शानदार स्नैक है। इस चिकन स्ट्रिप को अपने पसंदीदा सॉस में डिप करके खाएं और पाएं स्वाद का लाजवाब जायका। यह दो सॉसी डिप विकल्पों - देसी फ्लेवर के लिए तंदूरी और स्पाईसी एवं टैंगी फ्लेवर के लिए नैशविले के साथ खाया जा सकता है।

=====

हर्ष व उल्लास के साथ संपन्न हुआ लक्ष्मीपति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस भोपाल का 17 वां स्थापना दिवस

मध्य प्रदेश निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनीष कुमार श्रीवास्तव, ने युवा पत्रकार संतोष योगी को किया सम्मानित

भोपाल। संस्थान के कल्चरल क्लब के सदस्य छात्रों द्वारा आयोजित लक्ष्मीपति ग्रुप आप इंस्टीट्यूशंस भोपाल ने अपना 17 वा स्थापना दिवस स्तंभ 2025 का आयोजन बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ लक्ष्मीपति कॉलेज के प्रांगण में मनाया, इस अवसर पर हेडलाइंस 24 के संपादक एवं समाजसेवी पत्रकार संतोष योगी सहित कई समाजसेवी एवं पत्रकारों का सम्मान किया गया देर रात्रि तक चले इस आयोजन में जहां कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए वहीं समाज के उन सभी वर्ग के चयनित व समर्पित निष्ठावान लोगों को उनके उत्कृष्ठ कार्यों व कर्मठ सेवाओं के लिए कई शिक्षाविदों,प्राचार्य गण, पत्रकार बंधुओ,खिलाड़ियों, सामाजिक कार्यकर्ता एवं चिकित्सकों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनीष कुमार श्रीवास्तव, स्योर फाउंडेशन एवं लक्ष्मीपति ग्रुप के चेयरमैन ओपी बंसल,मैनेजिंग डायरेक्टर इंजीनियर एस के बंसल आदि की गरिमामई उपस्थिति रही।

शक्ति ग्रुप ने रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में 1700 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की

भोपाल। सोलर पम्पस और मोटर्स के अग्रणी निर्माता और आपूर्तिकर्ता शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने आज मध्य प्रदेश में 1700 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण निवेश की घोषणा की। पीथमपुर में लगभग 64 हेक्टयर इंडस्ट्रियल लैंड पर होने जा रहे इस विस्तार में रिन्यूएबल एनर्जी सोलर वेफ़र से सोलर सेल, सोलर पंपिंग सिस्टम और इलेक्ट्रिक व्हीकल कम्पोनेंट्स के लिए अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स स्थापित होंगी, जिससे प्रदेश में रोजगार के बड़े अवसर पैदा होंगे। इन प्रोजेक्ट्स में प्रोडक्शन शुरू होने पर शक्ति पम्पस देश की पहली कंपनी होगी जिसके पास सोलर पम्पिंग इंडस्ट्री की सारी जरूरतें जैसे पम्पस, मोटर्स, सोलर पैनल, स्ट्रक्चर, वीएफ़डी, इन्वर्टर आदि बनाने की क्षमता होगी। 1982 में स्थापित शक्ति पंप्स की भारतीय बाजार में 40 से अधिक वर्षों की समृद्ध विरासत है। कंपनी घरेलू, कृषि, औद्योगिक, सौर और सीवेज पंप सहित पंपों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करती है, जो अलग - अलग जरूरतों को पूरा करती है। भारतीय सोलर पंप मार्केट में एक मान्यता प्राप्त लीडर, शक्ति पंप्स एनर्जी एफिशिएंसी और स्थिरता पर जोर देते हुए दुनिया भर के 100 से अधिक देशों में अपने उत्पादों का निर्यात करता है। कंपनी ने लगातार मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और लाभप्रदता का प्रदर्शन किया है। शक्ति पंप्स, सोलर पम्पस के लिए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) की पीएम कुसुम योजना का एक चैनल पार्टनर भी है, जो रिन्यूएबल एनर्जी सोलुशंस के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। ह रणनीतिक निवेश शक्ति समूह के अंतर्गत तीन अलग-अलग कंपनियों के माध्यम से किया जाएगा, जो सभी मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित हैं- शक्ति एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड- यह कंपनी 1200 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश के साथ वेफ़र से सोलर सेल के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगी7

बालाजी फॉस्फेट्स लिमिटेड का आईपीओ 28 फरवरी को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। बालाजी फॉस्फेट्स लिमिटेड (बालाजी, कंपनी), जो सिंगल सुपर फॉस्फेट, एनपीके ग्रेन्युलेटेड और मिक्स्ड फर्टिलाइज़र तथा जिंक सल्फेट का निर्माण करती है, शुक्रवार, 28 फरवरी 2025 को अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग खोलने का प्रस्ताव रखती है। कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से ?50.11 करोड़ (अपर प्राइस बैंड पर) जुटाने की योजना बना रही है, और इसके शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी की सहायक इकाई के कारखाने में एक गोदाम स्थापित करने, मौजूदा सुविधाओं के उन्नयन, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एंकर पोर्शन 27 फरवरी 2025 को खुलेगा और इश्यू 4 मार्च 2025 को बंद होगा।

प्रमुख भागीदार-बुक रनिंग लीड मैनेजर:अरिहंत कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड। रजिस्ट्रार टू इश्यू: स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड

कंपनी के प्रबंध निदेशक, मोहित ऐरन ने कहा कि हमारी प्रतिबद्धता भारतीय कृषि को समर्थन देने और उच्च गुणवत्ता वाले फॉस्फेट उर्वरकों की आपूर्ति करने की है, जिससे मिट्टी की सेहत में सुधार हो और फसलों की उपज बढ़े। वर्षों से, हमने विभिन्न राज्यों में मजबूत नेटवर्क स्थापित किया है और किसानों, खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं और सहकारी संस्थाओं की सेवा की है। हमारी सहायक कंपनी, ज्योति वेटिंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, वेटब्रिज टेक्नोलॉजी, सोलर फ्रेम निर्माण और वेटिंग-इन-मोशन तकनीक में नवाचार कर रही है, जिसमें स्विस प्लेट्स का उपयोग कर उच्च सटीकता प्रदान की जाती है। यह हमारे नवाचार, स्थिरता और दीर्घकालिक विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा आईपीओ हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो हमें अपने बाजार में उपस्थिति बढ़ाने, उत्पादकता बढ़ाने और उर्वरक उद्योग में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद करेगा। इससे हमें अपनी सहायक कंपनी को भी आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। इस फंडिंग के माध्यम से हम अपनी विस्तार योजनाओं को लागू कर सकेंगे, संचालन दक्षता को बढ़ा सकेंगे और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा दे सकेंगे।

यह आईपीओ केवल एक वित्तीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह हमारे स्थायी विकास की दिशा में उठाया गया कदम है, जो हमें दीर्घकालिक प्रगति की ओर ले जाएगा।

अरिहंत कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, अशोक कुमार जैन ने कहा कि हम बालाजी फॉस्फेट्स लिमिटेड का समर्थन करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं, क्योंकि वे अपनी यात्रा में इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंच रहे हैं। कंपनी ने उच्च गुणवत्ता वाले फॉस्फेट उर्वरकों की आपूर्ति करके कृषि उत्पादकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मध्यप्रदेश में आईईएसए की भूमिका और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भागीदारी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा भोपाल में मध्य प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन किया गया। आईईएसए (जिसका प्रतिनिधित्व इसके अध्यक्ष, अशोक चांडक और कई सदस्य करते हैं) के लिए इस उद्घाटन समारोह में शामिल होना और उसका गवाह बनना बहुत प्रेरणादायक अवसर रहा। यह महत्वपूर्ण अवसर मध्य प्रदेश की आर्थिक वृद्धि और विकास की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। आईईएसए पिछले कई वर्षों से इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर सेक्टर में पहल करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार के साथ सक्रिय रूप से जुड़ी हुई है। मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डैवलपवमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) ने लगातार आईईएसए विज़न समिट और अन्य प्रमुख उद्योग पहलों में हिस्सा लिया है। पिछले साल, आईईएसए ने मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री की उपस्थिति में एमपीएसईडीसी के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे, जिससे राज्य की सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स नीति विकास में सहयोग करने की

हमारी प्रतिबद्धता को बल मिला। मध्य प्रदेश की सेमीकंडक्टर नीति को सफलतापूर्वक तैयार किया गया और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा की गई थी, जो कि एमओयू के ऐक्शन प्लान की कामयाबी का परिचायक है। यह सेमीकंडक्टर पॉलिसी मध्य प्रदेश में ईएसडीएम ईकोसिस्टम के विस्तार में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईईएसए के अध्यक्ष श्री अशोक चांडक ने 24 फरवरी को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भाग लिया और सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स पर एक पैनल चर्चा का संचालन किया। चर्चा के दौरान, उन्होंने पीसीबी मैन्युफैक्चरिंग, फैबलेस सेमीकंडक्टर डिजाइन, प्रोडक्ट डैवलपमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर असैम्बली व टैस्टिंग और सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन सहित सेमीकंडक्टर व इलेक्ट्रॉनिक्स ईकोसिस्टम के विभिन्न सैगमेंट्स को विकसित करने हेतु मध्य प्रदेश के लिए प्रमुख रणनीतियों पर प्रकाश डाला। उद्योग जगत की मजबूत भागीदारी और मध्य प्रदेश राज्य के सक्रिय दृष्टिकोण के साथ, इस पहल से महत्वपूर्ण निवेश आकर्षित होने, रोजगार के अवसर पैदा होने तथा राज्य एवं राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था दोनों में योगदान मिलने की उम्मीद है। आईईएसए मध्य प्रदेश सरकार, एमपीएसईडीसी, अधिकारियों और इंडस्ट्री स्टेकहोल्डरों को इस जीआईएस व सेमीकंडक्टर पॉलिसी की उपलब्धि पर बधाई देता है और राज्य में ईएसडीएम क्षेत्र की वृद्धि और विकास को देखने के लिए तत्पर है।

लता नागले ने उत्तीर्ण की पीएचडी परीक्षा

छिंदवाड़ा। राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा यूजीसी नेट भारत सरकार के द्वारा दिसंबर 2024का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है । जिसमे जन अभियान परिषद की परामर्शदाता लता नागले निवासी शंकर नगर परतला छिंदवाड़ा ने सोशियोलाजी विषय में पीएचडी के लिए 67.35 स्कोर से क्वालीफाइड किया है। लता नागले समाजसेवी कार्यों में अग्रणी रहते हुए महिला बाल विकास संचनालय में बाल संरक्षण,एवम समाज कल्याण निशक्तजन संचनालय में नशामुक्ति विषय पर राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर एवम पातालकोट में भारिया एवम गौड़ जन जाति पर शोध कर एम फिल की शिक्षा मऊ स्थित डाक्टर बी आर अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय डा अंबेडकर नगर महू जिला इंदौर से उत्तीर्ण की है। एवम आपने जनजातीय प्रवास विषय पर पुस्तक प्रकाशित की है साथ ही साइबर क्राइम पर दो शोध पत्र भी प्रकाशित कर चुकी है।आपकी इन सभी उपलब्धि की सभी ने सराहना की।

पूर्व विधायक पं रमेश दुबे ने किया भागवत कथा का श्रवण

चौरई /चांद। पूर्व विधायक पं रमेश दुबे को वरिष्ठ नेता श्री शरद खंडेलवाल व अन्य भाजपा नेताओं के साथ क्षेत्र के ग्राम तीतरी में आयोजित श्रीमद भागवत कथा का कथावाचक लीला भारती जी के मुखारविंद से कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया । व्यासपीठ को नमन करते हुए पूर्व विधायक श्री दुबे ने कहा कि ईश्वर रूपी कथाओं के श्रवण से ही मानव जीवन का उत्थान एवं कल्याण होता है ऐसे धार्मिक आयोजन कर धर्म के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास किया जो कि सराहनीय है । इस अवसर पर भाजपा नेता बालकराम खनवे, योगेश सोलंकी, राजेश सोलंकी समेत बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी बंधु उपस्थित रहे ।

चलो चलो चलो महाकाल की नगरी पातालेश्वर धाम छिंदवाड़ा चलो

छिंदवाड़ा। राष्ट्रीय हिन्दू सेना छिंदवाड़ा के तत्वावधान में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आज 51हजार पंचमुखी सिद्ध रुद्राक्ष नि:शुल्क वितरण किया जाएगा एवं विशाल फलाहारी भंडारा ब संगीतमय कार्यक्रम प्रस्तुति एवं रुद्राभिषेक किया जाएगा एवं समस्त जिलेवासियों से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पंचमुखी रुद्राक्ष प्राप्त कर अपने जीवन को मंगलमय बनाकर पुण्य लाभ अर्जित करे।

महाशिवरात्रि पूर्व संध्या पर महाकाल का विशेष श्रृंगार

छिंदवाड़ा। श्री महाकाल मोक्षधाम मंदिर में (शिव की गौरा) विशेष श्रृंगार महाशिवरात्रि पूर्व संध्या।

नगर पालिका सीएमओ के साथ पूरी टीम बांध पर पहुंचे

नपाध्यक्ष ने न्यूटन पेंच नदी के बांध में मिलाया महा कुंभ का पवित्र जल

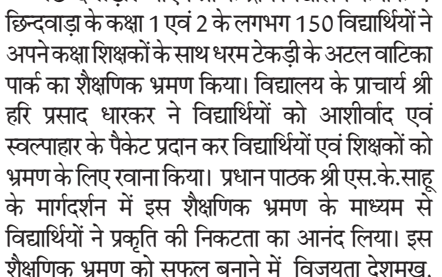

परासिया। नगर पालिका परासिया ने कुंभ के पवित्र जल को न्यूटन के पेंच नदी के बांध में मिलाया। मंगलवार को बारह बजे परासिया नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय, उपाध्यक्ष, सीएमओ, इंजिनियर, सभापति और पार्षदगंणो के साथ बांध पर पंहुचे। न्यूटन के पंच नदी के बांध में पूजन कर प्रयागराज से लाए कुंभ के जल को बांध के पानी में मिलाया गया। नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय ने कहा कि नगरीय निकाय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निर्देश पर जल स्रोत में कुंभ का जल मिलाया गया। कुंभ का अंतिम शाही स्नान है। कुंभ का जल जल स्रोत में मिलाने से वे लोग जो कुंभ नहीं जा पाए है वे भी कुंभ स्नान कर लेंगे। गंगा, जमुना, गोदावरी, सरस्वती से कामना करते है कि हमारे क्षेत्र में पानी की समस्या न हो। स। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय, उपाध्यक्ष महेश सोमकुंवर, सीएमओ साक्षी वाजपेयी, इंजिनियर राजेंद्र सोनी, सभापति पवन सूर्यवंशी, शशि सतनामी, कुंती उईके, सुषमा चौरसिया, नरेंद्र विश्वकर्मा , जल प्रभारी असद खान उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने धरम टेकड़ी के अटल वाटिका पार्क का किया शैक्षणिक भ्रमण

छिन्दवाड़ा। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1 छिन्दवाड़ा के कक्षा 1 एवं 2 के लगभग 150 विद्यार्थियों ने अपने कक्षा शिक्षकों के साथ धरम टेकड़ी के अटल वाटिका पार्क का शैक्षणिक भ्रमण किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री हरि प्रसाद धारकर ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद एवं स्वल्पाहार के पैकेट प्रदान कर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को भ्रमण के लिए रवाना किया। प्रधान पाठक श्री एस.के.साहू के मार्गदर्शन में इस शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से विद्यार्थियों ने प्रकृति की निकटता का आनंद लिया। इस शैक्षणिक भ्रमण को सफल बनाने में विजयता देशमुख, नीरज कुमार वर्मा, वाति अविनाश, दीक्षा राज चौरसिया, यश प्रताप सिंह तोमर, सुश्री लीना चरपे एवं नंदू यदुवंशी ने सहयोग किया।

महाशिवरात्रि पर दिन भर शिवालयों में दर्शन करेंगे श्रद्धालु

प्रशासन ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

छिंदवाड़ा। महाशिवरात्रि पर सभी शिवालय में सुबह से ही भगवान शिव पूजन अर्चन एवं अभिषेक किया जायेगा, पातालेश्वर धाम में रात 12 बजे से ही श्रद्धालुओं का जाना प्रारम्भ हो जयेगा इसी तरह मोक्ष धाम में भी महाकाल मंदिर में अभिषेक होगा महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर शिवजी की बारात निकाली गई एवं लोगों ने त्रिशूल लेकर महादेव मेले में भी गये।

सांसद बंटी साहू ने रामेश्वर धाम तक पैदल त्रिशूल यात्रा की आज दिन भर शिवालय में भारी भीड़ रहेगी, जगह-जगह भंडारों का आयोजन किया गया है। वहीं पातालेश्वर धाम में मेले का भी आयोजन किया गया है इस मंदिर में लगभग दिन भर में 1 लाख से ज्यादा लोग शिवजी के दर्शन करेंगे। पुलिस द्वारा आवागमन की व्यवस्था की गई है जिससे आवागमन सुगम होगा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने भी पातालेश्वर धाम की व्यवस्था का जायजा लिया।

अमरवाड़ा के मंदिरों में भी रहेगी भारी भीड़

सतपुड़ा की वादियों में स्थित अमरवाड़ा आदिवासी बहुल क्षेत्र है क्षेत्रफल की दृष्टि से छिंदवाड़ा जिले की सबसे बड़ी विधानसभा अमरवाड़ा है अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में चारों और चमत्कारी सिद्ध मंदिर स्थित है अभी श्रावण मास में अमरवाड़ा नगर की आस्था का केंद्र गरमेटा पर्वत शिव धाम मंदिर घर गरमेटा पर्वत पर स्थित है शिव धाम मंदिर के चारों ओर प्राकृतिक हरियाली और प्राकृतिक छटा मन को प्रफुल्लित कर देती है शाम का नजारा तो देखने लायक ही होता है शिव धाम मंदिर पर दिन भर लोगों का आना जाना बना हुआ होता है अभी श्रावण मास पर विशेष पूजा अर्चना के साथ शिवलिंग का श्रृंगार किया जा रहा है विशेष पूजा अर्चना के साथ अभिषेक हो रहा है मंदिर के अंदर बनी आकर्षण आत्मक कलात्मक कलाकृति देखते ही बनती है दूर-दूर से लोग जब हाईवे रोड से निकलते हैं तो एक बार मंदिर जरूर आते हैं शिवरात्रि में यहां मेला लगता है शिव धाम मंदिर में प्रतिदिन भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग का विशेष श्रृंगार किया जाता है

केदारनाथ से रामेश्वरम के बीच एक ही देशांतर 79 डिग्री पर स्थित है गरमेटा पर्वत शिव धाम मंदिर

गरमेटा पर्वत शिव धाम भारत में केदारनाथ से रामेश्वरम एक ही देशांतर 79 अक्षांश पर स्थित है अमरवाड़ा का चमत्कारी शिव धाम मंदिर गरमेटा पर्वत प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय मंदिरों और धर्म से जुड़े कुछ ऐसे तथ्यों पर एक खोज हुई है जिसमें पता चला है खोज में यह साबित किया गया है कि भारतीय मंदिरों के बारे में धर्म शास्त्र में जो विवरण मिलता है वह मिथक नहीं विज्ञान सम्मत है इसका उदाहरण भगवान शिव के 8 प्रसिद्ध मंदिर है जिसका निर्माण कई शताब्दी पहले हुआ है सुदूर उत्तर से दक्षिण तक फैली यह सभी मंदिर 79 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित है यानी ईशान दिशा में इन सभी मंदिरों का निर्माण अलग-अलग राजाओं ने करवाया है उस समय से आज तक के जैसे जीपीएस सिस्टम भी नहीं था

सांसद की बजट पर चर्चा...

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की योजनाओं से जुड़ा है आम आदमी

छिंदवाड़ा। जिले के सांसद बंटी विवेक साहू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2025-26 को लेकर मंगलवार को जिला भाजपा कार्यालय छिंदवाड़ा में आयोजित पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के पहले देश में हर तरफ भ्रष्टाचार व्याप्त था। उन्होंने कहा भ्रष्टाचार में चाहे टू जी घोटाले पर बात करें या अन्य घोटालों की बात करें देश में अरबों खरबों के घोटाले हुआ करते थे। उन्होंने कहा कि जबसे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनी है तब से देश विकास की दिशा में लगातार बढ़ रहा है। आज हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा देश का हर व्यक्ति अपने आप को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़ा हुआ महसूस करता है। सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि वर्ष 2025 का ये बजट हमारे सपनों का बजट है, ये हमारे विकास का बजट है, ये जन आकांक्षाओं का बजट है।सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि केंद्रीय बजट में सतत विकास गोल (एसडीजी) के मानकों को ध्यान में रखकर विश्व स्तर पर भारत को आगे ले जाने के लिए गरीबी को घटाकर शून्य तक ले जाने का प्रयास इस बजट में किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए पांच लक्ष्य सामने रखकर यह बजट बनाया गया है। बजट में 100 प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, श्रम शक्ति को और अधिक स्किल्ड बनाना, भारत के किसानों के माध्यम से देश को फूड बॉस्केट के रूप में विकसित करने और आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर 70 प्रतिशत करने जैसे पांच लक्ष्यों को ध्यान में रखकर यह बजट प्रस्तुत किया गया है। इन सभी पांचों लक्ष्यों को प्राप्त करने के साथ हर वर्ग-समाज के कल्याण, विकास व आर्थिक सशक्तिकरण को ध्यान में रखकर बजट में हर क्षेत्र के लिए प्रावधान किए गए हैं। यह बजट 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर मंच पर सांसद बंटी विवेक साहू, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विजय झांझरी, जिला महामंत्री टीकाराम चंद्रवंशी, परमजीत सिंह बिज, कांता ठाकुर, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता विजय पांडे, जिला मीडिया प्रभारी संदीप चौहान एवं जिला सह मीडिया प्रभारी विक्रम सोनी उपस्थित रहे।

छिंदवाड़ा। समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों का पंजीयन शुरू किसानों से अंतिम तिथि 10 मार्च से पूर्व पंजीयन कराने की अपील की।

गर्ल्स कॉलेज में पिछले वर्ष 8800 छात्राएं थीं इस वर्ष 7700 है

विवि की लेट लतीफी से हो रहे कम एडमीशन 2 छात्राओं को पढ़ा रहे 6 प्राध्यापक

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। कमलनाथ सरकार ने छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी को घोषणा किया था जिससे ऐसा लगा कि अब छात्रों की परीक्षायें समय पर होगी किन्तु विश्वविद्यालय की लेट लतीफी के कारण छात्र-छात्राओं के रिजल्ट देरी से आ रहे है।

कालेज सूत्रों ने बताया कि अब परीक्षा का समय आ गया है और रिजल्ट देरी से आने के कारण एडमीशन अभी हो रहे है।

कांग्रेस सरकार डेढ़ वर्ष रही और साढ़े तीन वर्ष भाजपा की सरकार रही कि छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय के सफल संचालन के लिए कोई कुशल कुलगुरू नहीं मिला और राज्य सरकार ने छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय को लावारिश जैसा छोड़ दिया। कमलनाथ सरकार होती तो अभी तक छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय का सफल संचालन होता। छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय के सफल संचालन न होने का दुष्परिणाम कि छात्र-छात्राओं के कालेजों में एडमीशन कम हो गये।

बताया जाता है कि राजमाता सिंधिया शासकीय स्नाकोत्तर कन्या महाविद्यालय में पिछले वर्ष 8800 के लगभग छात्रायें थी जो इस वर्ष 7700 के लगभग हो गई, सूत्रों ने बताया रिजल्ट देरी से आने से छात्राओं की रूचि एडमीशन में नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नारा है वन नेशन वन इलेक्शन है, किन्तु विश्वविद्यालय समय पर परीक्षायें नहीं ले पा रहा है। वन नेशन वन इलैक्शन की तरह वन टाईम वन एक्जाम होना चाहिये। शासकीय कन्या महाविद्यालय में एक हजार छात्रायें कम हो गई इसकी किसी को चिन्ता नहीं, जबकि सरकार नारी सशक्तिकरण की बातें करती है। निजि एवं शासकीय स्कूलों में शिक्षकों पर दबाव डाला जाता है कि वे घर-घर जाये और बच्चों का एडमीशन करें। किन्तु लाखों रूपये का वेतन प्रतिमाह पाने वाले प्राध्यापकों को चिन्ता नहीं कि छात्रायों क्यों कम हो रही है। कन्या महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष कलेक्टर है, कालेज प्रशासन इन्हें समय समय पर जानकारी देता तो निश्चित ही छात्राओं की संख्या में बढोत्तरी होती। कालेज में पर्याप्त स्टाप है, यहां प्रध्यापकों को प्रतिमाह 2 से 2.50 लाख रूपये, गेस्ट प्रध्यापक को 2000 रूपए प्रतिदिन एवं जनभागीदारी के प्रध्यापकों को 700 प्रतिदिन दिया जाता है, जनभागीदारी के प्रध्यापकों को छुट्टीयां का वेतन नहीं मिलता। इस तरह वेतन मान में असमानता है, इसे भी ठीक किया जाना चाहिये, कलेक्टर जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष है, एवं शिक्षा के प्रति उनकी रूचि है। वे ग्रामीण बच्चों को समय-समय पर पढ़ाने भी जाते है, छात्रों के एडमीशन बढे जिससे छात्रायें शिक्षित हो, अच्छे पदो पर रहकर काम करें, शिक्षा से ही समृद्धि आती है एवं ज्ञान में वृद्धि होगी। होम साइन्स में दो छात्राओं पढ़ा रहे 6 प्रोफेसर गर्ल्स कालेज में होम साईन्स विषय है जिसमें मात्र दो छात्रायें है और पढ़ाने वाले 6 प्रध्यापक है, जिसमें 5 प्रोफेसर है जिनका वेतन प्रतिमाह 2.50 लाख रूपये है। वे किसे पढाते है, यह प्रशासन को पूछना चाहिये। बताया जाता है कि एक प्रोफेसर का स्वभाव चिड़चिड़ा है हमेशा अशान्त रहती है, जिसके कारण छात्रायें होम सांईन्स में एडमीशन नहीं लेती। यदि छात्रायें नही है तो इन प्रोफेसरों को जिले के बाहर करना चाहिये जहां एडमीशन हो वे वहां जाकर पढ़ा सके।

वर्षो से प्रभारी प्राचार्य ही देख रहे कालेज

गर्ल्स कालेज में पी.आर.चन्देलकर स्थायी प्राचार्य थे उनके हटाये जाने के बाद प्रभारी प्राचार्य से काम चल रहे है। प्रभारी प्राचार्य श्रीमती कामना वर्मा के बाद एजरा एजाज एवं श्रीमती अस्मिता मुन्जे है। छात्राओं ने मांग की है कि यहां स्थायी प्राचार्य होना चाहिये जिससे एडमीशन बढ़ सके। सरकार के फण्ड से कालेज की बिल्डिंग बन रही है।

कालेज में 10 करोड़ के चल रहे निर्माण कार्य

गर्ल्स कालेज में 10 करोड़ रूपये के निर्माण कार्य चल रहे है, मथुरा प्रसाद स्कूल पूर्व मंत्री चौधरी चन्द्रभान सिंह ने कालेज को दिलवा दिया था, भवन निर्माण के लिए विश्व बैंक से भी राशि मिली है, 6 करोड़ रूपए की लागत से मार्च में भवन निर्माण पूर्ण होगा एवं दूसरा भवन 4 करोड की लागत से जून में पूर्ण होगा।

7700 में से पढ़ने आती है 2500 छात्राएं

गर्ल्स कालेज वर्तमान में 7700 छात्रायें है 2500 के लगभग छात्रायें कालेज में आती है, बाकी छात्रायें नहीं आती है, बताया जाता है स्कालरशिप के समय ही छात्रायें आती है। समाज सेवी संस्था को आगे आने की जरूरत है जिससे छात्रायें कालेज में पढ़ने आये, कालेज में आने से ही छात्राओं के ज्ञान में वृद्धि होगी, जिला प्रशासन को भी इसकी चिन्ता करनी चाहिये।

प्रभारी प्राचार्य बाहर है

प्रभारी प्राचार्य श्रीमति अस्मिता मुन्जे से सम्पर्क करने की कोशिश की गई तो पता चला कि वे बाहर गई हुई हैं।

कमलनाथ व नकुलनाथ ने दी महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने नगर व जिलेवासियों को महाशिवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी है। नेताद्वय ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि भगवान शिव का सबसे बड़ा पर्व महाशिवरात्रि है इस पर्व को शिव व शक्ति के मिलन का प्रतीक माना जाता है।कमलनाथ ने नगर, जिले व प्रदेश एवं देशवासियों को महाशिवरात्रि पर्व की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महाशिवरात्रि सिर्फ एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि आध्यात्मिक जागरण का दिन भी है। शिव की भक्ति से मन को शांति व जीवन में तरक्की प्राप्त होती है। उन्होंने भगवान भोलेनाथ से सभी के लिए सुख, शांति व समृद्धि की कामना की।नकुलनाथ जी ने देश, प्रदेश, जिले व नगरवासियों को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए अपने शुभकामना संदेश में कहा कि महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव के त्याग, धैर्य व सादगी से जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से आग्रह किया कि सभी भगवान शिव के मंदिर पहुंचकर अभिषेक पूजन कर महाशिवरात्रि पर्व को हर्षोल्लास व पूजन अर्चन कर मनाएं। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री विश्वनाथ ओकटे ने जिला कांग्रेस परिवार की ओर से नगर व जिलेवासियों को महाशिवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान शिव की आराधना के पर्व को सभी हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाएं।

संगीतमय भागवत कथा में हुआ रुक्मणि विवाह

छिंदवाड़ा। वार्ड नंबर 47 सिद्धिविनायक रेजीडेंसी में आयोजित की जा रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का मंगलवार को समापन हुआ। कथा के विश्राम दिवस पर कथा वाचक पंडित दीपक मिश्रा ने श्रीकृष्ण-सुदामा मिलन की कथा सुनाई, जिसे सुन श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। इसके बाद श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का आयोजन किया गया। कथा सुनने आए सैकड़ों श्रद्धालुओं भगवान श्री कृष्ण व रुक्मणी जी की झांकी के दर्शन किये कथा में सैकड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ रही। इस सात दिवसीय भागवत कथा मे काफी संख्या में महिला-पुरूष भक्तों ने इस कथा का आनंद उठाया। सात दिनों तक इस कथा में पूरा वातावरण भक्तिमय रहा। मुख्य यजमान लोकेश डहेरिया, राजेंद्र दुबे, विनोद मुंगेर, विजय बहादुर, रामकुमार चौरसिया, सुंदरलाल, कोमल बाथरी मौजूद रहे। कथा के दौरान सांसद विवेक बंटी साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव, पूर्व मंत्री चन्द्रभान चौधरी भी अलग-अलग दिनों अतिथि के रूप में पधारे और कथा का पुण्य लाभ लिया।

इंडियन इनोवेशन आइकॉन्स 2025' - 10वें संस्करण का आयोजन 6 मार्च को होगा भारत में नवाचार और खोजों का संगम

छिंदवाड़ा। पहले 'इनोवेशन फॉर इंडिया अवॉर्ड्स' के रूप में जाना जाने वाला यह प्रतिष्ठित द्विवार्षिक पुरस्कार समारोह इस वर्ष अपनी 10वीं वर्षगांठ के अवसर से अब 'इंडियन इनोवेशन आइकॉन्स' के नाम से आयोजित किया जा रहा है।

ज पिछले दो दशकों से, यह मंच देश में उभरते हुए नवाचारों को पहचानने और उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए अग्रणी मंच के रूप में कार्य कर रहा है।

ज इस वर्ष व्यापार और सामाजिक क्षेत्रों में से सात क्रांतिकारी नवाचारों को सम्मानित किया जाएगा।

भारत में प्रभावशाली नवाचार को प्रोत्साहित करने वाले अग्रणी मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन (एमआयएफ) द्वारा 'इंडियन इनोवेशन आइकॉन्स 2025' इस 10वें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। यह मंच उन नवाचारों को पहचान दिलाने का कार्य करता है, जो वर्तमान में सुर्खियों में नहीं हैं, लेकिन भविष्य में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं। 6 मार्च, 2025 को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होने वाले इस भव्य कार्यक्रम में 1000 से अधिक दिग्गज व्यक्ति, उद्यमी, निवेशक और समाज में बदलाव लाने वाले व्यक्ति शामिल होंगे। पिछले दो दशकों से, इंडियन इनोवेशन आइकॉन्स मंच ने कई नवाचारों को मुख्यधारा में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपने पिछले 9 संस्करणों में इस मंच ने 65 से अधिक नवाचारों को वैश्विक पहचान दिलाई और सामाजिक, पर्यावरणीय एवं आर्थिक क्षेत्रों में व्यापक प्रभाव डाला।

इस वर्ष, 10वें ऐतिहासिक संस्करण में दूरसंचार, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, जल प्रबंधन, विनिर्माण, सहायक प्रौद्योगिकी और शिक्षा जैसे क्षेत्रों से 7 उत्कृष्ट नवाचारों को सम्मानित किया जाएगा। 1000 से अधिक प्रविष्टियों में से चयनित इन 7 नवाचारों को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। विजेता अपने प्रेरणादायक सफर को टेड-स्टाइल चर्चाओं के माध्यम से साझा करेंगे, जिससे दर्शकों को उनके दृढ़ संकल्प, संघर्ष और दृष्टी को गहराई से समझने का अवसर मिलेगा।

मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन के संस्थापक हर्ष मारीवाला ने कहा, भारत की नवाचार की गति अद्वितीय रूप से विकसित हो रही है, जहां उद्यमी और समाज में बदलाव लाने वाले लोग ऐसे समाधान विकसित कर रहे हैं, जो स्थानीय और वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाल सकते हैं। इस मंच के 10 वें संस्करण का जश्न मनाते हुए, हम उन उद्यमियों को सम्मानित कर रहे हैं जो उद्योगों की परिभाषा बदल रहे हैं और नवाचार को नई दिशा दे रहे हैं।

वर्तमान में भारत तेज आर्थिक वृद्धि और स्थिरता की चुनौती के महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में, नवाचारों को पहचान दिलाना और उन्हें बढ़ावा देना बेहद आवश्यक है। इंडियन इनोवेशन आइकॉन्स मंच उन विचारों को समर्थन प्रदान करता है, जो पारंपरिक व्यवसाय में मौलिक परिवर्तन लाने और सामाजिक प्रगति में योगदान देने की क्षमता रखते हैं। पारंपरिक पुरस्कारों से अलग, यह मंच नवाचारों को एक विस्तृत मंच प्रदान करता है, जो इन्हें वैश्विक पहचान दिलाने में सहायक होता है।

मुख्यमंत्री निवास घेराव की संभावना सहकारी समिति कर्मचारियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सांध्य प्रकाश

बैतूल। मध्यप्रदेश सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ जिला इकाई बैतूल ने सहकारी समिति (पैक्स) कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। उनका कहना है कि वे लंबे समय से अपनी समस्याओं को लेकर सरकार से गुहार लगा रहे है । परन्तु कोई समाधान नहीं हुआ। समिति कर्मचारियों ने चेतावनी दी है। कि मांगे पूरी ना होने पर प्रदेश महासंघ के आह्वान पर पांच मार्च को भोपाल में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगे। धरना प्रदर्शन मुख्यमंत्री निवास सहकारिता मंत्री कार्यालय या फिर विद्याचल भवन में किया जाएगा। इस आंदोलन में जिले के समस्त सहकारी समिति (पैक्स) कर्मचारी भी शामिल होंगे। जिला अध्यक्ष अरुण अडलक ने बताया कि सहकारी समिति कर्मचारियों की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। यदि जल्द ही समाधान नहीं किया गया तो इस आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा। धरना प्रदर्शन के कारण एक दिन के लिए सहकारी समितियों का कार्य प्रभावित रहेगा। जिसके लिए महासंघ ने खेद भी जताया है। इस सबंध में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया । तथा प्रतिलिपि उप पंजीयक सहकारिता विभाग बैतूल महा प्रबंधक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक और खाद्य आपूर्ति अधिकारी को भेजी गई है।

आंचलकुंड में संपन्न हुआ- विराट 51कुंडीय गायत्री महायज्ञ

हजारों ग्रामीण जनों ने सर्व कल्याण हेतु आहुतियां छोड़ी

छिंदवाड़ा। 19 से 23 फरवरी तक विकासखंड हर्रई के ग्राम आंचलकुंड धूनी वाले दादा दरबार में विराट 51कुंडीय गायत्री महायज्ञ अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।पांच दिवसीय इस आयोजन के प्रथम दिन 19 फरवरी को विशाल जल कलश शोभा यात्रा संपन्न हुई जिसमें हजारों माताओं-बहनों ने कलश धारण करके समस्त क्षेत्र वासियों को इस यज्ञ का आमंत्रण दिया। इस कलश शोभायात्रा में छिंदवाड़ा जिले के लगभग सभी तहसीलों से पधारे हुए परिजनों ने भागीदारी की।द्वितीय दिवस 20 फरवरी को प्रातः 8 बजे से देव आवाहन एवं देव शक्तियों का पूजन विशेष वैदिक कर्मकाण्ड के माध्यम से संपन्न हुआ एवं विराट 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ संपन्न हुआ जिसमें हजारों क्षेत्र वासियों ने भागीदारी कर आहुतियां प्रदान की।इस आयोजन में शांतिकुंज हरिद्वार से आचार्य गानों की टोली पधारी हुई जिसमें टोली नायक आदरणीय प्रभाकांत तिवारी ,सहयोगी अरुण पराड़कर, रुद्रगिरी गोस्वामी संगीत विभाग शांतिकुंज एवं संगीत की टोली विशेष उपस्थिति रही।

सीएम राइज स्कूल पर 217 छात्राओं की फीस हड़पने के आरोप

ग्रीन आर्मी युवा मंडल ने कलेक्टर से शिकायत निष्पक्ष जांच की मांग

सांध्य प्रकाश बैतूल। सीएम राइज शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैतूल बाजार में गरीब और पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों की फीस सरकार ने माफ कर दी थी। पर स्कूल प्रबंधन ने वह रकम हड़प कर ली है। जिसको लेकर ग्रीन आर्मी युवा मंडल ने जिला कलेक्टर को निष्पक्ष जांच कर कार्यवाही की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा है। बताया कि बैतूल बाजार स्थित सीएम राइज शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अनुसूचित जाति (एससी) अनुसूचित जनजाति (एसटी) अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी संबल कार्ड धारक) के विद्यार्थियों की परीक्षा फीस शासन द्वारा माफ थी। लेकिन फिर भी उनसे शुल्क लिया गया। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के माध्यम से वर्ष 2018 से 2023 तक की नामांकन सूची प्राप्त हुई। खुलासा हुआ कि 217 विद्यार्थियों की फीस माफ थी। परंतु उनकी राशि उन्हें नहीं लौटाई गई। इतना ही नही इस घोटाले की शिकायत माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल एवं लोकायुक्त में दर्ज कराई गई। जिसके बाद शिक्षा विभाग को जांच के आदेश दिए गए। हालाकि जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जांच संतोष जनक नहीं रही।प्रतीत है। कि जिला शिक्षा विभाग एवं स्कूल प्रबंधन के जिम्मेदार अधिकारी गड़बड़ी को छिपा रहे हैं। मामला तूल पकड़ने के बाद शिक्षकों ने घर-घर जाकर विद्यार्थियों के माता-पिता को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। कि वे इस मुद्दे पर चुप रहे। ग्रीन आर्मी के कार्यकर्ताओं और उनके परिवारजनों पर भी प्रभाव बनाया गया कि वे शिकायत वापस लें। शिक्षकों ने अपने बयान में कहा कि उन्होंने सिर्फ बोर्ड द्वारा निर्धारित फीस ली अतिरिक्त राशि नहीं वसूली। लेकिन जब जांच शुरू हुई तो घर-घर जाकर और बच्चों को स्कूल बुलाकर फीस वापस की जा रही है। विद्यार्थियों से लिखित लिया गया कि उनकी फीस वापस मिल चुकी है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी ने भोपाल के विमानतल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा के प्रदेश प्रभारी महामंत्री एवं विधायक भगवान दास सबनानी के साथ अगवानी कर चर्चा की।

भाजपा के वरिष्ठ नेता हितेश वाजपेई ने भोपाल विमानतल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह की अगवानी की।

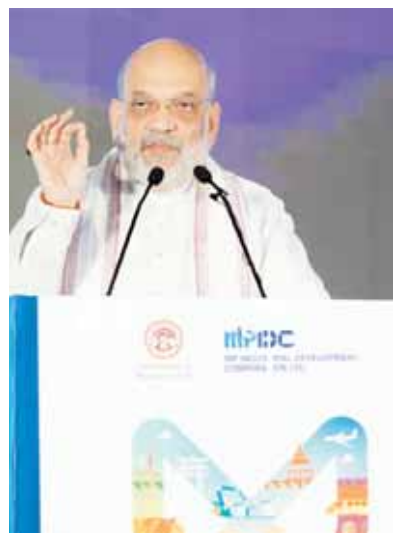

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बाग प्रिंट कला की अनूठी छटा, केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कला को सराहा

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 में बाग प्रिंट के युवा शिल्पकार मोहम्मद आरिफ खत्री ने अपनी कला से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। गृह मंत्री श्री अमित शाह ने श्री आरिफ खत्री से मुलाकात कर बाग प्रिंट का ठप्पा अपने हाथों से लगाया और उनकी कला की भूरि-भूरि प्रशंसा की। गृह मंत्री अमित शाह के अलावा राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय आवास एवं नगरीय विकास और ऊर्जा मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, कैबिनेट मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, श्री प्रहलाद पटेल, श्री विश्वास सारंग, श्रीमती प्रतिमा बागरी, श्रीमती सम्पतिया उइके, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी बाग प्रिंट कला को समझा, सराहा और स्वयं ठप्पा लगाकर इसे अपनाने का संदेश दिया।

उल्लेखनीय है कि आरिफ खत्री पिछले 15 वर्षों से इस कला से जुड़े हैं। उन्होंने अपने दादा, बाग प्रिंट के जनक शिल्पगुरु इस्माईल सुलेमानजी खत्री और अपने पिता राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त अब्दुल कादर खत्री से इस कला को सीखा। विरासत में मिली इस कला को उन्होंने आधुनिक

नवाचारों से और भी सशक्त किया है। श्री आरिफ खत्री को 2021 में यूनेस्को और वर्ल्ड क्राफ्ट काउंसिल द्वारा 'अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया गया। उनके परिवार ने अमेरिका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, जापान, रूस, चीन, स्पेन, इटली समेत कई देशों में बाग प्रिंट का प्रदर्शन कर भारत और मध्यप्रदेश का नाम वैश्विक मंच पर रोशन किया है।

समिट में शिल्पगुरु मोहम्मद यूसुफ खत्री, नेशनल अवार्डी मोहम्मद बिलाल खत्री और अब्दुल करीम खत्री ने भी अपनी कला का प्रदर्शन कर मेहमानों का दिल जीता। समिट का शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया, जिसमें 60 देशों के प्रतिनिधि, 13 राजदूत, 6 उच्चायुक्त और कई महावाणिज्यदूत शामिल हुए। इस वैश्विक आयोजन में बाग प्रिंट के अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कलाकार मोहम्मद आरिफ और मोहम्मद खत्री को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।